राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 23 जनवरी 2026 वर्ष-9,अंक-01 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को मारी गोली

● एंबुलेंस टीम की मौजूदगी में खुद को भी गोली मारी, 2 महीने पहले शादी हुई थी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11.45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी। मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली। यशराज की भी मौके पर मौत हो गई थी। यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। वस्त्रापुर पुलिस और क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बाद एनआरआई टावर के गेट बंद कर दिए गए हैं। पुलिस तैनात है। फ्लैट में रहने वालों के अलावा किसी को भी परमीशन नहीं है।

डिफेंस प्रोडक्शन में भारत की ऐतिहासिक छलांग

● तेजी से बढ़ रहा है निर्यात, आयात हुआ काफी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन के साथ रक्षा क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल किया है, जो देश का अब तक का सबसे उच्च रक्षा उत्पादन है। यह स्वदेशी रक्षा उत्पादन में महत्वपूर्ण छलांग है। यह सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता को रेखांकित करती है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी 2020) और रक्षा खरीद नियमावली (डीपीएम 2025) ने रक्षा खरीद में गति, पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा दिया है, जिसके चलते अब 65 प्रतिशत उपकरण देश में ही उत्पादित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भरता कम हुई है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना से 9,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है। स्टार्टअप और निजी कंपनियों के साथ-साथ 16,000 लघु एवं मध्यम उद्यम रक्षा उत्पादन में सक्रिय हैं। आसान निर्यात प्रक्रियाएं, डिजिटल प्रणालियां और ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस को बढ़ावा दिया है।

भोजशाला में दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-नमाज के बाद दोबारा पूजा कर सकेंगे ● अखंड पूजा वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

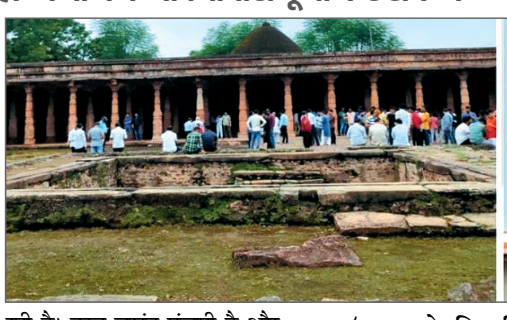

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला में हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा। हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है।

● **'नमाज के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा'**- सुप्रीम कोर्ट ने एक संतुलित समाधान अपनाते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी तरह हिंदू समुदाय को भी बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। कोर्ट ने यह व्यवस्था की है।

मस्जिद पक्ष बोला-

नमाज के बाद परिसर खाली कर देंगे

मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके। इस पर मस्जिद पक्ष ने स्पष्ट किया कि जुमे की नमाज का समय बदला नहीं जा सकता। अन्य नमाजों के समय में बदलाव संभव है।

कलेक्टर बोले-

● **बैठक करके रणनीति बनाएंगे**- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भोजशाला पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा- हमारे वकील आदेश को पढ़ रहे हैं। आधिकारिक रूप से आदेश मिलने के बाद हम मीडिया को ब्रीफ करेंगे। फिर सभी के साथ बैठक करके आगे की रणनीति पर बात करेंगे। प्रशासन ने सभी से अपील की है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अलग-अलग व्याख्या न करें। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश अभी हमने स्पष्ट रूप से पढ़ा नहीं है।

गहरी खाई में गिरी सेना की गाड़ी

● जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में हुआ बड़ा हादसा ● 11 घायलों को एयरलिफ्ट किया गया, हुए भर्ती

10 जवानों की हो गई मौत, 21 लोग सवार थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक सेना की गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। गंभीर रूप से 11 घायलों को उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। अधिकारी के मुताबिक यह हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप पर हुआ। सभी जवान एक ऊपरी इलाके में स्थित पोस्ट पर जा रहे थे, तभी ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। गुरुवार को सेना के जवान एक ऊंचाई पर स्थित चौकी की ओर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि अचानक से चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद गाड़ी बेकाबू होकर नीचे खाई में जा गिरा। इस भयानक दुर्घटना में चार सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य सैनिक घायल हुए हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया।

● **उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर जताया शोक**- उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा सड़क हादसे में 10 जवानों के बलिदानी होने पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि डोडा में एक दुखद सड़क हादसे में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से बहुत दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की बेहतरीन सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में होंगी महिला महापौर

● लॉटरी सिस्टम से हुआ निर्णय, परभणी निगम में विवाद ● उद्धव गुट का बड़ा आरोप- बीएमसी के लिए नियम बदले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जनजातिवर्ग से होना चाहिए था। 29 में से 12 सीटें एससी, एसटी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं,

जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा।

सीवान में नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर हुआ ब्लास्ट

● पटाखा बनाने के दौरान धमाका, एक की मौत, सिर-पैर 20 फीट दूर गिरे

सीवान (एजेंसी)। सीवान में सीएम नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है। ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में

हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनी गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के रूप में हुई है। ब्लास्ट की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। धमाके की वजह से घर भी गिर गया है। ये धमाका हुसैनगंज थाना इलाके में बडरम गांव में हुआ है। यहां से 7 किमी की दूरी पर नीतिश कुमार सभा कर रहे थे। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि पुलिस ने घर को सील कर दिया गया है।

'वीबी राम जी' जुमला है गरीबों के हक पर हमला है

● राहुल बोले, मनरेगा बचाओ सम्मेनल में सिर पर गमछा बांधा

कंधे पर कुदाल भी रखी, खरगे के साथ पौधे में मिट्टी डाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे वीबी-राम-जी बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'वीबी-राम-जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों। राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली। सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश है। आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी।

बांग्लादेश का भारत में टी-20 वर्ल्डकप खेलने से इनकार

● आईसीसी ने वेन्यू और ग्रुप बदलने की मांग खारिज की थी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया है। एजेंसी के अनुसार बीसीबी के प्रेसीडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा है कि हम टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं। हम आईसीसी से एक बार फिर बात करेंगे और कहेंगे कि वे हमारी चिंताओं पर ध्यान दें। बुलबुल के अनुसार आईसीसी बोर्ड मीटिंग में कुछ फैसले चौंकाने वाले रहे। मुस्तफिजुर से जुड़ा मामला कोई एकल घटना नहीं है।

धर्म की आड़ में सनातन को बदनाम करने की साजिश

● सीएम योगी बोले-ऐसे लोगों से रहें सतर्क, चेतावनी भी दी ● बयान को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद से जोड़ा जा रहा

सोनीपत (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वारानंद सरस्वती विवाद के बीच के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को सोनीपत में कहा कि ऐसे तमाम कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे, हमें उनसे सावधान रहना होगा। सीएम योगी ने कहा, एक योगी, एक संत के लिए, एक संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है। उनकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नहीं होती, धर्म ही उनकी प्रॉपर्टी, राष्ट्र ही उनका स्वाभिमान है। धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है, ऐसे लोगों से सतर्क रहें। सीएम योगी के इस बयान को मौनी अमावस्या के दिन से प्रयागराज में चल रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। **सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों को पहचान कर खत्म करें** - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को मुरथल स्थित नागेवाला धाम में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह व भंडारे में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, सनातन धर्म की मजबूती की लिए भारत की मजबूती आवश्यक, उस भाव के साथ काम करने वाले लोग भी मिलें, देश के दुश्मनों को देश के जवान मिट्टी में मिलाते हैं, ऐसे मिलाते हैं कि उन्हें कब्र भी नहीं मिल पाती। नाथ संप्रदाय ने समाज को जोड़ा, आगे बढ़ने को प्रेरित किया, देश में कहीं भी जाओगे, मठों, मंदिरों व धामों की श्रृंखला मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने पीएम मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि 1000 वर्षों से विदेशी आक्रान्ताओं का सामना किया, गुलामी नियति बन गई थी। आज स्वतंत्र भारत मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ा गया, 2000 साल का विकास 11 वर्ष में हुआ, डबल इंजन की सरकार में राम मंदिर बन गया, काशी विश्वनाथ धाम में 50 हजार श्रद्धालु रोज दर्शन कर रहे हैं। मौनी अमावश्या पर 4.50 करोड़ लोगों ने संगम में स्नान किया, ये संतों का मार्गदर्शन है।

● **हरियाणा और मुरथल के लोगों की प्रशंसा कर भरा जोश**- सीएम योगी ने कहा, मुरथल में एक संत ने मांसाहार न खाने का संकल्प दिलाया, आज यहां कोई माहांसार नहीं बेचता, यह संत का आशीर्वाद है, इसलिए यहां नागेवाला धाम बन गया, यह आध्यत्मिक ऊर्जा का तेज है, नशा नाश का कारण है, नशा नहीं होने देंगे, यह संकल्प लें। देश का दुश्मन जब कोई षड्यंत्र नहीं कर पा रहा तो वह युवाओं को खराब कर नशे का जाल फैलाता है, हम यह नहीं होने देंगे। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए, धर्म केवल उपासना विधि नहीं है, इसे थोपा नहीं जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, अच्छा करेंगे तो पुण्य मिलेगा।

झारखंड में 1 करोड़ रुपए का ईनामी समेत 11 नक्सली ढेर

● सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ा एनकाउंटर

पुलिस, कोबरा बटालियन और सेंट्रल फोर्स हुए शामिल

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड में मुठभेड़ में 11 से ज्यादा नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा

जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार तड़के मुठभेड़ शुरू हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान 1 करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई। उसके दस्ते में 14 से अधिक नक्सली हैं। लगातार हो रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 11 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। ईनामी नक्सली अनल दा भी मारा गया है।

● **50 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर ढेर**- कोल्हान प्रमंडल के एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों की माने तो मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 50 लाख रुपए के इनामी एक बड़े नक्सली कमांडर को भी मार गिराया है। हालांकि इस दावे पर भी अब तक मुहर नहीं लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभी भी अनसुलझी है नेताजी की मौत की गुत्थी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की। और देश के बाहर रह रहे लोग इस फ़ौज में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज में महिलाओं के लिए झांसी की रानी रेजीमेंट बनाई गई।सन 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया, तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाए और कोलकाता में सुभाष चंद्र बोस ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया था। लेकिन उनकी मृत्यु की गुत्थी आज भी अनसुलझी है।,

महान क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। उनके पिताजी कटक के जाने-माने अधिवक्ता थे। गांधीजी को राष्ट्रपिता कहकर सुभाष चंद्र बोस ने ही पहली बार संबोधित किया था। जबकि सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले नेताजी कहकर एडोल्फ हिटलर ने सम्बोधित किया था। जलियांवाला बाग के कांड ने नेताजी को इस कदर विचलित कर दिया था कि वे देश को आजाद कराने के लिए आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। प्रतिवाद करना उन्हें अच्छी तरह से आता था,तभी तो एक अंग्रेजी शिक्षक के भारतीयों को लेकर दिये गए आपत्तिजनक बयान पर उन्होंने खासा विरोध किया था, जिस कारण उन्हें कॉलेज से भी निकाल दिया गया था। नेताजी बचपन से विलक्षण प्रतिभा के छात्र थे। आज़ादी के आंदोलन में शामिल होने के लिए उन्होंने भारतीय सिविल सेवा की नौकरी तक ठुकरा दी थी। उन्होंने लंदन से आईसीएस की परीक्षा पास की थी। सन1921 से सन 1941 के बीच नेताजी को भारत में अलग-अलग जेलों में 11 बार बंदी बनाकर रखा गया। सन 1943 में नेताजी जब बर्लिन में थे, उन्होंने वहां आज़ाद हिंद रेडियो और फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की। नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दो बार अध्यक्ष चुना गया। उन्हें किताबों का बेहद शौक था। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की बहुत सी किताबें पढ़ीं। सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की। और देश के बाहर रह रहे लोग इस फ़ौज में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज में महिलाओं के लिए झांसी की रानी रेजीमेंट बनाई गई।सन 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया, तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाए और कोलकाता में सुभाष चंद्र बोस ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया था। लेकिन उनकी मृत्यु की गुत्थी आज भी अनसुलझी है।,

आज भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत से जुड़े कई किस्से - कहानियां चर्चाओं में हैं, लेकिन आज भी यह तथ्य सामने नहीं आया है कि उनकी मौत कैसे हुई थी।हालांकि सरकारी घोषणा के अनुसार, नेताजी की मौत 18 अगस्त सन 1945 में एक विमान हादसे में होना बताया गया है ।वे एक संपन्न बंगाली परिवार से संबंध रखते थे।उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस था। जबकि उनकी मां का नाम प्रभावती था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस समेत उनकी 14 संतानें थी। जिनमें 8 बेटे और 6 बेटियां थी। सुभाष चंद्र उनकी 9वीं संतान थी।नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की पत्नी के बारे में भी बहुत कम लोग जानते है, एमिली शेंकल नामक महिला ने सन1937 में सुभाष चन्द्र बोस से विवाह किया था।उन्होंने एक ऐसे देश को ससुराल के रूप में चुना जहां कभी वह बहू के रूप में आई ही नही, तभी तो न बहू के आगमन पर मंगल गीत गाये गये, न उनकी बेटी अनीता बोस के पैदा होने पर कोई खुशियां ही मनाई गई। उन्हें सात साल के अपने वैवाहिक जीवन में पति सुभाष चन्द्र बोस के साथ मात्र तीन वर्ष रहने का अवसर मिला, इसके बाद नेताजी अपनी पत्नी और नन्हीं सी बेटी को छोड़कर देश को आजाद कराने के लिए संघर्ष करने चले गये।जाते समय नेताजी अपनी पत्नी से यह वायदा करके गये कि, पहले देश आजाद करा लूँ ,फिर हम साथ-साथ रहेंगे, पर ऐसा नहीं हुआ क्योंकि कथित विमान दुर्घटना में नेता जी हमेशा हमेशा के लिए लापता हो गए। उस समय उनकी पत्नी एमिली शेंकल युवा थीं वह चाहती तो युरोपीय संस्कृति के अनुसार दूसरी शादी कर लेती, परन्तु उन्होंने ऐसा नही किया और बेहद कठिन दौर में अपना जीवन गुजारा।उन्होंने एक तारघर में मामूली क्लर्क की नौकरी और बेहद कम वेतन के साथ वह अपनी बेटी को पालती रही. उनका बहुत मन था भारत आने का, ताकि एक बार अपने पति के वतन की मिट्टी को हाथ से छू कर उसमे नेताजी को महसूस कर सकू ,लेकिन भारत को आजादी मिलने के बाद भी ऐसा हो न सका । नेताजी की पत्नी का बड़प्पन ही था कि उन्होंने इसकी कभी किसी से शिकायत भी नहीं की और गुमनामी में ही मार्च 1996 में अपने जीवन को अलविदा कह दिया।

सुभाष चंद्र बोस ने एमिली शेंकल से प्रेम-विवाह किया था। सन 1934 में सुभाष चंद्र बोस अपना इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रिया गए थे ,इसी दौरान उन्हें अपनी जीवनी लिखने का विचार आया, जिसके लिए उन्हें एक टाइपिस्ट की आवश्यकता महसूस हुई ।

तब ऑस्ट्रिया के एक मित्र ने उनकी मुलाकात एमिली शेंकल से करवाई, जो धीरे-धीरे पहले उनकी मित्र बनीं और बाद में प्रेमिका और फिर पत्नी बन गई। दोनों ने सन 1937 में शादी की थी। 29 नवंबर सन1942 को विएना में एमिली ने एक बेटी को जन्म दिया। सुभाष चन्द्र बोस ने अपनी बेटी का नाम अनीता बोस रखा था।शेंकल ने कभी भी बोस की पत्नी होने की पहचान उजागर नहीं की और वह अपनी बेटी को लेकर आस्ट्रिया में रहती थीं और आजीविका के लिए एक तारघर में काम करती थीं। सुभाष की बेटी अनीता बोस ने काफी समय बाद मीडिया से कहा था कि उनकी मां को भी उनके पिता की मौत की खबर अन्य लोगों की तरह रेडियो समाचार से मिली थी।

उनकी शादी हिंदू परंपरा से हुई थी।लेकिन बोस और एमिली की शादी का पंजीयन नहीं हो सका था, क्योंकि जर्मन सरकार ने यह आपत्ति कर दी थी कि दोनों ने चूंकि हिंदू परंपरा से शादी की है,इसलिए इनका पंजीयन नही हो सकता। बोस की पत्नी के अतीत में झांके तो पता चलता है कि एमिली अपने परिवार के लिए कमाने वाली एक मात्र सदस्य थीं। वह एक जिम्मेदार बेटी भी थीं, इसीलिए शादी के बाद बूढ़ी मां को छोड़कर भारत आने को राजी नहीं हुईं। एक बार विएना में सुभाष चंद्र बोस के भाई सरत चंद्र बोस, उनकी पत्नी और बच्चों से वह मिली थीं और भावुक हो गई थीं। बोस और एमिली की शादीशुदा जिंदगी 9 साल रही। इसमें से दोनों केवल 3 साल ही साथ रहे। 18 अगस्त सन1945 को ताईवान में विमान दुर्घटना में बोस का निधन हो गया था। मार्च 1996 में 85 वर्ष की उम्र में एमिली का भी निधन हो गया।

उनकी बेटी अनिता बोस एक जर्मन अर्थशास्त्री हैं। वे ऑग्सबर्ग यूनीवर्सिटी में प्रोफेसर रही और इस समय अपने पति प्रो. मार्टिन फाफ के साथ उनकी जर्मन सोशल डिमोक्रेटिक पार्टी में सक्रिय रहती हैं।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल से प्राप्त की। उच्च शिक्षा के लिए वे कलकत्ता चले गए। और वहां के प्रेज़िडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद वे इण्डियन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय चले गए।अंग्रेज़ों के शासन में भारतीयों के लिए सिविल सर्विस में जाना बहुत मुश्किल था।सुभाष चंद्र बोस ने सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान हासिल किया. 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस भारत लौट आए और उन्होंने सिविल सर्विस छोड़ दी।इसके बाद नेताजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को देश प्रेम दिवस घोषित करने की मांग की थी,जो आज तक पूरी नही हुई। इस बारे में पहले भी केंद्र सरकार से मांग की गयी थी।उम्मीद है कि कभी तो नेताजी की जयंती पर प्रधानमंत्री जी ,23 जनवरी को देश प्रेम दिवस घोषित करेंगे। नेताजी ने पूर्ण स्वराज की बात कही थी।देश में विभाजन की राजनीति बंद होनी चाहिए।नेताजी के अध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद व नेताजी ने देश के युवाओं को एकजुट रहने का आह्वान किया था तथा सभी धर्म के लोगों में सदभाव बात कही थी।उसका पालन किया जाना चाहिए।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्रकुमार बोस ने मांग की है कि टोक्यो के रैंकोजी मंदिर में रखी नेताजी की अस्थियों का डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए ।ताकि नेताजी के निधन को लेकर बने रहस्य पर पूर्ण विराम लगाया जा सके. उनका कहना है अगले साल जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे भारत की यात्रा पर आ रहे हैं. उस समय भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके सामने इस मामले को रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज तक यह पता नहीं चला कि 18 अगस्त 1945 को तायहोकु में हुए हवाई हादसे के बाद क्या वाकई वो जिंदा थे।भारत में इसकी जांच को लेकर तीन आयोग बन चुके हैं।

पहले दो आयोगों का कहना है कि नेताजी का निधन 18 अगस्त 1945 को ताइवान के तायहोकु एयरपोर्ट पर हो चुका है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मुखर्जी जांच आयोग ने इससे एकदम उलट रिपोर्ट दी. उसके बाद से ही नेताजी की जापान के मंदिर में रखी अस्थियों की डीएनए जांच का मुद्दा तूल पकड़ता रहा है।

(लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे व वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है—जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्ज़रलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं।

ऋतु परिवर्तन पर मां सरस्वती की साधना का पर्व है बसंत पंचमी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने जीवों की रचनाकर सृष्टि को जीवोमय किया । तभी मनुष्य का भी उदभव हुआ।लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया हुआ है। भगवान विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कम्पंन होने लगा। तभी एक चतुर्भुजी स्त्री के रूप में अदभुत शक्ति का प्राकट्य हुआ, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला प्रतिष्ठित थीं।कहते है ,ब्रह्मा जी ने प्रकट हुई सरस्वती देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुर नाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल हो गया व हवा चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और बाग्देवी आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। यह देवी विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं, संगीत की उत्पत्ति करने के कारण यह संगीत की देवी भी कहलाती हैं।वही बसंत पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने मां सरस्वती को वरदान दिया था कि उनकी प्रत्येक ब्रह्मांड में माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर पूजा होगी। श्रीकृष्ण के वर प्रभाव से प्रलयपर्यन्त तक प्रत्येक कल्प में मनुष्य, मनुगण, देवता, मोक्षकामी, वसु, योगी, सिद्ध, नाग, गन्धर्व और राक्षस आदि सभी बड़ी भक्ति के साथ सरस्वती की पूजा करेंगे। पूजा के अवसर पर विद्वानो द्वारा सम्यक् प्रकार से मां सरस्वती का स्तुति-पाठ होगा। भगवान श्री कृष्ण ने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की पूजा की, तत्पश्चात ब्रह्मा, विष्णु , शिव और इंद्र आदि देवताओं ने मां सरस्वती की आराधना की। तबसे मां सरस्वती सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा सदा पूजित हो रही है।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को पीले रंग का फूल और फूल अर्पण किए जाते हैं। शुभ मुहूर्त में कई गई पूजा और साधना का भी महत्व है। यह दिन बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु गंगा मां के साथ-साथ अन्य पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के साथ आराधना भी करते है। वहीं इस समय फूलों पर बाहर आ जाती है, खेतों में सरसों के फूल चमकने लगते हैं, गेहूं की बालियां भी खिलखिला उठती हैं। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनने के साथ पतंग और स्वादिष्ट चावल बनाए जाते हैं। पीला रंग बसंत का प्रतीक है।संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग इस दिन का सालभर से इंतजार करते हैं। बसंत पंचमी के अवसर पर इस साल दो उत्तम योग बन रहे हैं, जिसके कारण पूरे जिन शुभ कार्य किए जा सकते हैं। खासतौर पर अमृत सिद्धि योग और रवि योग का संयोग इस दिन को और भी खास बना रहा है। यही नहीं बसंत पंचमी इस बार रेवती नक्षत्र में मनाई जा रही है। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनकर सुबह सवेरे मां सरस्वती की अराधना करते हैं।

बसंत पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। कोशिश करनी चाहिए कि सूर्योदय से कम से कम दो घंटे पहले बिस्तर छोड़ देने चाहिए।बसंत पंचमी के दिन स्नान करके साफ कपड़े पहनने चाहिए।

बसंत पंचमी के दिन मंदिर की सफाई करनी चाहिए। मां सरस्वती को पूजा के दौरान पीली वस्तुएं अर्पित करनी चाहिए। जैसे पीले चावल, बेसन का लड्डू आदि।सरस्वती पूजा में पेन, किताब, पेसिंल आदि को जरूर शामिल करना चाहिए और इनकी पूजा करनी चाहिए।बसंत पंचमी के दिन लहसुन, प्याज से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। महाकवि कालिदास ने ऋतुसंहार नामक काव्य में इसे सर्वप्रिये चारुतर वसंते कहकर अलंकृत किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने ऋतूनां कुसुमाकराः अर्थात मैं ऋतुओं में वसंत हूं, कहकर वसंत को अपना स्वरुप बताया है। वसंत पंचमी के दिन ही कामदेव और रति ने पहली बार मानव ह्दय में प्रेम और आकर्षण का संचार किया था। इस दिन कामदेव और रति के पूजन का उद्देश्य दांपत्त्य जीवन को सुखमय बनाना है, जबकि सरस्वती पूजन का उद्देश्य जीवन में अज्ञानरूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश उत्पन्न करना है।वसंत पंचमी के दिन यथाशक्ति ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः का जाप करें। माँ सरस्वती का बीजमंत्र ऐं है, जिसके उच्चारण मात्र से ही बुद्धि विकसित होती है। इस दिन से ही बच्चों को विद्या अध्ययन प्रारम्भ करवाना चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि कुशाग्र होती है और माँ सरस्वती की कृपा बच्चों के जीवन में सदैव बनी रहती है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे इसे तरह बाणों की शैय्या पर सोना पड़ रहा है। इसके उत्तर में श्री कृष्ण ने कहा था कि, आपने कई जन्म पहले एक सर्प को नागफनी के कांटों पर फेंक दिया था। इसी अपराध के कारण आपको बाणों की शैय्या मिली है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने किसी भी जीव को नहीं सताना चाहिए। हम जैसा कर्म करते हैं उसका फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है।

विचार मंथन

भारतीय अर्थव्यवस्था में हाहाकार

(लेखक-सनत जैन)

- रुपया-शेयर बाज़ार वेंटिलेटर पर

पिछले कुछ दिनों से भारतीय अर्थ व्यवस्था के संकेत एक गहरी चिंता की ओर इशारा कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में निरंतर गिरावट, पिछले एक सप्ताह में शेयर बाज़ार से विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकालना एवं भारतीय निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में पैसा डालने के बाद भी शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार के असामान्य उतार-चढ़ाव ने न केवल देशी निवेशकों की नींद उड़ा दी है, बल्कि सरकार और आर्थिक नीति-निर्माताओं के लिए भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात ऐसे बन गए हैं, रुपये को संभालने के लिए रिज़र्व बैंक को बार-बार बाज़ार में डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। इसके बाद भी रुपए की गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 91. 73 पर आ गया। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। आयात ज्यादा हो रहा है, उसके मुकाबले में निर्यात बहुत कम है। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का संकट लगातार बढ़ रहा है।

शेयर बाज़ार का सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को दिन भर सैकड़ों अंकों की गिरावट के साथ झूलता रहा। संस्थागत वित्तीय निवेशकों ने भारी निवेश करके निफ्टी को 25157 तथा बीएसई के सेंसेक्स को 270.64 अंकों की गिरावट के साथ 81124 पर रोकने में सफल हुए। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार शेयर बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। जिससे शेयर बाज़ार पर दबाव और बढ़ गया है। रुपये की कमजोरी को कभी निर्यात के लिए फायदेमंद बताया जाता था। ज़मीनी हकीकत इसके विपरीत है। भारत का निर्यात उस अनुपात में नहीं बढ़ा, जिस मात्रा में आयात बढा है। जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपए का तेजी के साथ अवमूल्यन हो रहा है। इसका मतलब साफ है। कमज़ोर रुपया अपने आप में समाधान नहीं, बल्कि निर्यात को और विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक संकट है। वहीं विदेशी सामान भारत में ज्यादा मात्रा में आयात हो रहा है उसके कारण भारत में कीमतें बढ़ रही हैं। आर्थिक मोर्चे पर सरकारी खजाने की स्थिति भी दबाव में दिख रही है। जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स का संग्रह लक्ष्य से कम है। उपभोक्ता मांग कमजोर पड़ने से खरीददारी घट रही है। इसका सीधा असर टैक्स कलेक्शन पर पड़ रहा है। सरकार को बैंकों और आरबीआई के डिविडेंड पर निर्भर होना पड़ रहा है। सरकारी खजाने की हालत को सुधारने के लिए पेट्रोल-डीज़ल पर करों की संभावित बढ़ोतरी और कस्टम ड्यूटी जैसे निर्णय सरकारी खजाने को राहत तो दे सकते हैं, लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं होगा। सोना, चांदी और डॉलर की कीमतों की तेजी ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। निवेशकों और आम जनता का झुकाव सुरक्षित निवेश की ओर होना यह बताता है, कि शेयर बाज़ार और बैंकों के भविष्य को लेकर निवेशकों को अब भरोसा नहीं रहा। बैंकिंग सेक्टर पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। बैंकों में गिरते डिपॉजिट और बढ़ता कर्ज बैंकों की अर्थव्यवस्था की अनिश्चिता को बढ़ा रहे हैं। भारतीय अर्थ व्यवस्था धीरे-धीरे卐वेंटिलेटर卐 में जाने की स्थिति में दिख रही है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार के नीति-निर्माताओं को ज़मीनी सच्चाइयों को स्वीकार करना होगा। ऊँची जीडीपी ग्रोथ या भविष्य के बड़े काल्पनिक लक्ष्यों की बातें करके अर्थव्यवस्था को सुधारा नहीं जा सकता है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को आर्थिक नीतियों में सुधार, भरोसेमंद राजकोषीय नीति, शेयर बाजार और वित्तीय संस्थानों पर देसी एवं विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ाना होगा। आम जनता की क्रय-शक्ति को बढ़ाने के लिए नीतियां बनानी होंगी। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और संकट से निकालने के लिए गंभीरता के साथ काम करना होगा। सरकार

को वास्तविकता को स्वीकार करना होगा। स्नो- पाउडर लगाकर मेकअप के पीछे वास्तविक कमज़ोरियों को छुपाने से स्थिति और भी खराब होगी। 1 फरवरी को सरकार जो बजट पेश करने जा रही है, उस बजट को वास्तविकता के धरातल पर तैयार किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो बजट के बाद सरकार, रिजर्व बैंक, बैंकिंग सेक्टर और नीति आयोग के लिए स्थितियों को संभालना आसान नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की तेजी के साथ ही 91.57 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 15 पैसे की बढ़त के साथ 91.50 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार दावोस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद निवेशकों का मनोबल बढ़ा कि ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप पर शुल्क लगाने का फिलहाल कोई इरादा नहीं है। इसके तहत आठ यूरोपीय देशों पर प्रस्तावित शुल्क को रद्द करने की घोषणा की गई, जिससे वैश्विक बाजारों में राहत का माहौल बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.54 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही मजबूत होकर 91.50 तक पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को रुपया 68 पैसे टूटकर 91.65 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक मामूली 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.78 पर रहा।

फोनपे का आईपीओ बिक्री पेशकश पर आधारित

मौजूदा शेयरधारक बेचेंगे 10,000 करोड़ से ज्यादा के शेयर

नई दिल्ली फोनपे का आगामी आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसका मतलब है कि कंपनी कोई नई पूंजी नहीं जुटाएगी, केवल मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे। कंपनी के अद्यतन आईपीओ दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। फोनपे की प्रवर्तक डब्ल्यूएम डिजिटल कॉमर्स होल्डिंग्स पीटीई कंपनी में अपनी करीब 0.12 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 45,942,496 शेयर बेचेगी। सिंगापुर स्थित डब्ल्यूएम डिजिटल कॉमर्स होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड वॉलमार्ट के नियंत्रण वाली फोनपे की प्रवर्तक इकाई है। इसके अलावा टाइगर ग्लोबल पीआईपी 9-1 द्वारा 10,39,160 शेयर जबकि माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल फाइनेंस अनलिमिटेड कंपनी द्वारा 36,78,790 शेयर बिक्री पेशकश के जरिये बेचे जाएंगे। इस तरह बिक्री पेशकश के जरिये करीब 10,115.87 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर की बिक्री की जाएगी जिसका आकलन प्रति शेयर के भारित औसत अधिग्रहण मूल्य के आधार पर किया गया है।

डीजीसीए ने शुरू की विमान कमांडरों के लिए इलेक्ट्रॉनिक लाइसेंस सेवा

नई दिल्ली नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन ट्रांसपोर्ट पायलट लाइसेंस (एटीपीएल) के लिए इलेक्ट्रॉनिक पायलट लाइसेंस (ईपीएल) सेवा शुरू की है। यह डिजिटल लाइसेंस सुरक्षित है, छेड़छाड़ रोकता है और वास्तविक समय में सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है। पायलट इसे डीजीसीए के ई-जीसीए मोबाइल ऐप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। भारत दुनिया के तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। बढ़ते हवाई यातायात को देखते हुए विमानन कंपनियां अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं। इसके चलते पेशेवर पायलटों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। डीजीसीए ने फरवरी 2025 में व्यावसायिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) और फ्लाइट रेडियो टेलीफोन ऑपरेटर लाइसेंस के लिए भी ईपीएल सेवाएं शुरू की थीं।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शेयर बाजार और उद्योगों के लिए बड़ा अवसर

यह समझौता भारत की जियो-इकोनॉमिक स्थिति बदल सकता है

नई दिल्ली

दावोस 2026 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने संकेत दिए कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लगभग अंतिम चरण में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत की जियो-इकोनॉमिक स्थिति बदल सकता है। मौजूदा बाजार गिरावट और अस्थिरता के बीच यह खबर निवेशकों के लिए एक मजबूत सकारात्मक संकेत के रूप में काम कर रही है। वर्तमान में भारत और ईयू के बीच सालाना वस्तु व्यापार लगभग 130 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत का निर्यात 75 अरब डॉलर और आयात 65 अरब डॉलर है। सेवा व्यापार लगभग 72 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत 9 अरब डॉलर का लाभ में है। एफटीए के बाद इन आंकड़ों में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है, जो सीधे भारतीय कंपनियों की बैलेंस शीट और शेयर बाजार के मूल्यांकन को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार टेक्सटाइल और परिधान सेक्टर सबसे ज्यादा लाभान्वित होगा। वर्तमान में भारत की ईयू में हिस्सेदारी केवल 5-6 फीसदी है, जबकि चीन की 30 फीसदी है।

देश के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री घटकर 3,86,365 इकाई रह गई

नई दिल्ली एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार भारत के 8 प्रमुख शहरों में 2025 में कुल आवासीय बिक्री 12 फीसदी घटकर 3,86,365 इकाई रह गई। यह 2024 की तुलना में लगभग 50,627 इकाई कम है। दक्षिण भारत के प्रमुख शहर बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में बिक्री 15 फीसदी बढ़कर 1.33 लाख इकाई से अधिक हुई। इस दौरान कोलकाता में भी सकारात्मक प्रदर्शन देखा गया। मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे और अहमदाबाद में आवासीय बिक्री में गिरावट दर्ज की गई, जिससे कुल बिक्री में कमी आई। ऑरम प्रॉपटेक के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि 2025 में बाजार मांग की गिरावट नहीं, बल्कि पुनर्संयोजन का वर्ष रहा। खरीदार सक्रिय थे लेकिन अधिक सोच-समझकर निर्णय लिए। डेवलपर्स ने आपूर्ति को अनुशासित ढंग से प्रबंधित किया, जिससे कीमतें स्थिर बनी रहीं।

नए लेबर कोड से बैंकों और फाइनेंस सेक्टर पर बढ़ा खर्च

बैंकिंग सेक्टर सबसे प्रभावित रहा, एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली देश में नए लेबर कोड लागू होने के बाद दिसंबर तिमाही में कॉरपोरेट सेक्टर पर इसका असर दिखने लगा है। मुख्य रूप से बैंकिंग, एनबीएफसी और इंश्योरेंस कंपनियों को अतिरिक्त वित्तीय बोझ उठाना पड़ा। कुल मिलाकर 1,500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च सामने आया है। बैंकिंग सेक्टर सबसे प्रभावित रहा, खासकर बड़े निजी बैंक। एचडीएफसी बैंक ने लगभग 800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च दर्ज किया। आईसीआईसीआई बैंक ने 145 करोड़ रुपए और यश बैंक ने 155 करोड़ रुपए के असर की जानकारी दी। मिड-साइज बैंकों में फेडरल बैंक और आरबीएल बैंक पर क्रमशः 20.8 करोड़ और 32 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च पड़ा। एनबीएफसी पर भी असर दिखा, हालांकि बैंकिंग के मुकाबले कम। एचडीबी फाइनें शियल से विंसेज ने 61 करोड़ रुपए, एलएंडटी फाइनेंस ने 29 करोड़ और टाटा कैं पिटल ने 33 करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च की जानकारी दी। सरकारी बैंकों पर असर अपेक्षाकृत कम रहा, क्योंकि उनके कर्मचारियों की सैलरी और लाभ पहले से ही वेतन समझौतों में तय हैं। नए नियमों के तहत बेसिक सैलरी का हिस्सा बढ़ाना अनिवार्य किया गया है। इससे प्रोविडेंट फंड, ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट जैसी लागतें बढ़ती हैं। बड़ी शाखा नेटवर्क और स्थायी कर्मचारियों वाले बैंक और इंश्योरेंस कंपनियों के लिए यह वित्तीय बोझ आगे भी जारी रह सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 397 अंक, निफ्टी 132 अंक उछला

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 397 अंक की तेजी के साथ 82,307 के स्तर पर आ गया, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132 अंक ऊपर आकर 25,289 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर कुछ ही समय के बाद मुनाफावसूली शुरु हो गई, जिससे बाजार नीचे आने लगा। इससे निवेशको में घबराहट आ गयी। वहीं एक समय सेंसेक्स 82,783 के दिन के हाई तक पहुंच गया था, जबकि निफ्टी ने 25,435 का स्तर पर पर बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाहर फिसल गया। वहीं बाजार बंद होने से पहले अमेरिका के रवैये में नरम प्रस्तावित टैरिफ टालने से बाजर में तेजी आई। वहीं गत दिवस बाजार गिरा था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 82,459 अंक पर मजबूती के साथ खुला। वहीं निफ्टी-50 भी 25,344 पर खुलकर 183 अंक की तेजी के साथ 25,338 पर पहुंच गया। दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में भी तेजी रही। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजारों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया, खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। वहीं वॉल स्ट्रीट पर भी रात के कारोबार में तेजी रही और एसएंडपी 500 तथा नैस्डैक एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए।

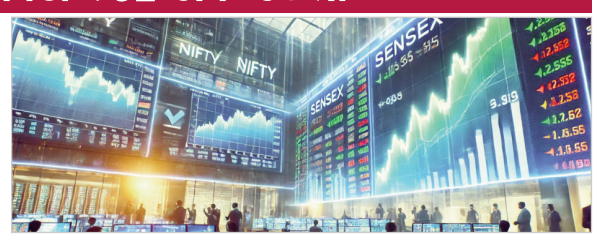

एतिहाद एयरवेज बनी दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइन

भारत की एयरलाइंस कंपनियों को कोई जगह नहीं

नई दिल्ली एयरलाइनरे टिंग डॉट कॉम ने 2026 की दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइंस की रैंकिंग जारी की। 320 एयरलाइंस के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद एतिहाद एयरवेज ने शीर्ष स्थान हासिल किया। यह गल्फ क्षेत्र की पहली एयरलाइन है जो सुरक्षा के मामले में सबसे आगे रही। सुरक्षा रेटिंग तय करते समय उड़ानों के रिकॉर्ड, विमानों की उम्र, पायलट ट्रेनिंग और टर्बुलेंस से निपटने की तैयारियों को ध्यान में रखा गया। टॉप-25 एयरलाइंस में पहला और छठा स्थान मात्र 1.3 अंकों के अंतर से अलग था। एतिहाद एयरवेज, कैथे पैसिफिक, क्रांटस, कतर एयरवेज, एमिरेट्स, एयर न्यूजीलैंड, सिंगापुर एयरलाइंस, ईवीए एयर, वर्जिन ऑस्ट्रेलिया और कोरियन एयर शामिल हैं।

डेटा सेंटर, ईवी, रिन्यूएबल एनर्जी और पावर ग्रिड विस्तार में कॉपर की जरूरत बढ़ी

विरोध प्रदर्शनों ने सप्लाई पर दबाव, क्या अगली सुपरहिट कमोडिटी बनेगा कॉपर

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में चांदी इस समय रिकॉर्ड के करीब बनी हुई है। भू-राजनीतिक तनाव, बॉन्ड बाजार की उथल-पुथल और सुरक्षित निवेश की मांग ने इसे मजबूती दी है, लेकिन इसी माहौल में एक और धातु है, कॉपर। जहां चांदी को सुरक्षित निवेश का सहारा मिला है, वहीं कॉपर की तेजी की वजह सप्लाई संकट और बढ़ती औद्योगिक जरूरतें हैं।

ताजा कमोडिटी रिपोर्ट बताती है कि कॉपर की सप्लाई गंभीर दबाव में है। चिली और पेरू में बार-बार हो रहे विरोध प्रदर्शनों ने खनन गतिविधियों को झटका दिया है। इंडोनेशिया की ग्रासबर्ग खदान, जो दुनिया में कॉपर का बड़ा हिस्सा है, वहां काम रुक गया है और कंपनी ने फोर्स मेज्योर की घोषणा कर दी है।

फोर्स मेज्योर का मतलब होता है ऐसी मजबूरी, जिस पर किसी का बस नहीं चलता। जब कोई कंपनी या सरकार किसी प्राकृतिक आपदा, हादसे, युद्ध, बाढ़, आग, भूकंप, दंगे या बड़े तकनीकी फेलियर की वजह से अपना काम नहीं कर पाती, तो वह कहती है कि यह फोर्स मेज्योर की स्थिति है। रिपोर्ट के मुताबिक कांगो में बाढ़ और चिली में खदान हादसों ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। नतीजा यह है कि 2025 में शुरू हुआ संकट अब 2026 की सप्लाई तस्वीर को भी तंग करता दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक 2026 में रिफाइंड कॉपर बाजार में करीब डेढ़ लाख टन की कमी रह सकती है।

पुरानी खदानें अब पहले जैसा प्रोडक्शन नहीं दे पा रहीं और नई खदानें शुरू करना महंगा और समय लेने वाला काम है यानी सप्लाई बढ़ने की उम्मीद धुंधली है।

दूसरी तरफ मांग की कहानी लगातार मजबूत होती जा रही है। डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, रिन्यूएबल एनर्जी और पावर ग्रिड विस्तार में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। कंस्ट्रक्शन सेक्टर की सुस्ती भी इस मांग को कमजोर नहीं कर पा रही है। अमेरिका ने कॉपर को क्रिटिकल मिनरल की सूची में रखा है। इससे रिफाइंड कॉपर पर टैरिफ बढ़ने की आशंका बढ़ी है।

कैग ने स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षण ढांचे को मजबूत करने पर दिया जोर

हैदराबाद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षण के लिए जिम्मेदार प्राथमिक लेखा-परीक्षा संस्थानों (पीएआई) की संस्थागत मजबूती और पेशेवर क्षमता निर्माण पर जोर दिया। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सीआईएआरडी-एनआईआरडीपीआर द्वारा आई-कैल के सहयोग से आयोजित की गई थी। समापन सत्र में पीएआई की मजबूती, पेशेवर क्षमता और लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने की जरूरत पर बल दिया गया। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संजय मूर्ति ने कहा कि विभिन्न राज्यों की चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को आगामी अखिल राज्य सचिवों की कार्यशाला में प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यशाला में स्थानीय निधि लेखा-परीक्षा निदेशकों ने पांच विषयगत समूह चर्चाओं में भाग लिया। इसमें पीएआई की परिपक्वता, वर्चुअल ऑडिट प्रणाली, ग्राम पंचायतों का दूरस्थ लेखा परीक्षण, निरीक्षण रिपोर्टों का मानकीकरण और टीजीएस ढांचे को सशक्त बनाना शामिल था।

यू40 उद्यमी भारत की अर्थव्यवस्था के नए स्तंभ बने

40 वर्ष से कम उम्र के 201 उद्यमियों के हाथ में 31 लाख करोड़ के उद्यम

नई दिल्ली

भारत में युवा उद्यमिता तेजी से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। एवेंडस वेल्थ-हुरुन इंडिया यू40 लिस्ट 2025 रिपोर्ट के अनुसार 40 वर्ष से कम उम्र के 201 उद्यमी संयुक्त रूप से 31 लाख करोड़ रुपये (357 अरब डॉलर) के उद्यमों की कमान संभाल रहे हैं। यह आंकड़ा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 11वां हिस्सा है, जो युवा नेतृत्व की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक सूची में शामिल 83 प्रतिशत उद्यमी पहली पीढ़ी के संस्थापक हैं। शेष 17 प्रतिशत उद्यमी पारिवारिक व्यवसायों से जुड़े हैं, जिनमें दूसरी से लेकर पांचवीं पीढ़ी तक के कारोबारी शामिल हैं। यह रुझान भारत में पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर नवाचार आधारित उद्यमिता के विस्तार को दर्शाता है। प्रमुख नाम और डिजिटल प्रभाव इस सूची में अदाणी पोर्ट्स ऐंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के करण अदाणी, जिंदल स्टेनलेस के अभ्युदय जिंदल, ग्रो के ईशान बंसल तथा स्विगी के नंदन रेड्डी और श्रीहर्ष मजेटी जैसे नाम शामिल हैं। डिजिटल पहुंच के मामले में जीरोधा के निखिल कामत 13.9 लाख लिंक्डइन फॉलोअर्स के साथ शीर्ष पर हैं। बेंगलूरु स्थित एक्सपोनेंट एनर्जी के सह-संस्थापक संजय जगन्नाथ (36) सूची में सबसे कम उम्र के उद्यमी हैं, जबकि सोलर स्क्वैर की सह-संस्थापक श्रेया मिश्रा (36) सबसे कम उम्र की महिला उद्यमी हैं। हालांकि, सूची में केवल 15 महिलाएं शामिल हैं। शहरों में बेंगलूरु 48 उद्यमियों के साथ अग्रणी है। यू40 समूह की औसत आयु 38 वर्ष है और ये उद्यमी सामूहिक रूप से 4.43 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहे हैं। सॉफ्टवेयर, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाएं इनके प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं।

लॉन्च से पहले शोरूम पहुंची 2026 बजाज पल्सर 125

नई दिल्ली

बजाज ऑटो कंपनी की अपकमिंग 2026 बजाज पल्सर 125 को आधिकारिक लॉन्च से पहले ही डीलरशिप्स पर देखा जाने लगा है। यह अपडेट क्लासिक पल्सर रेंज को 2010 के बाद मिला सबसे बड़ा विजुअल बदलाव माना जा रहा है।

हाल ही में सामने आए वॉकअराउंड वीडियो से इस बाइक के डिजाइन और फीचर्स से जुड़े कई अहम खुलासे हुए हैं। बजाज की पल्सर सीरीज भारतीय बाजार में लंबे समय से लोकप्रिय रही है, जिसमें पल्सर 220, 150 और 125 शामिल हैं। हाल ही में कंपनी ने पल्सर 150 को नए फ्रंट फेस और मॉडर्न डिजाइन के साथ अपडेट किया था। अब इसी डिजाइन लैंग्वेज को पल्सर 125 में भी शामिल किया गया है। नई पल्सर 125 में अपडेटेड फेसिया और बदला हुआ हेडलाइट सेटअप देखने को मिलता है।

सबसे अहम बदलाव यह है कि इस बाइक को पहली बार एलईडी हेडलाइट दी गई है, जिससे इसका लुक पहले से कहीं ज्यादा प्रीमियम नजर आता है। इसके अलावा बाइक में अब एलईडी टर्न इंडिकेटर्स भी मिलते हैं, जो इस सेगमेंट में इसकी अपील को और मजबूत बनाते हैं। हालांकि, एलईडी टेललाइट पहले की तरह ही रखी गई है। बाइक के फ्यूल टैंक, साइड पैनल और इंजन काउल पर नए ग्राफिक्स देखने को मिलते हैं, जो इसे फ्रेश लुक देते हैं। हालांकि, इसमें स्प्लिट सीट या स्प्लिट रियर ग्रैब रेल जैसे बदलाव नहीं किए गए हैं।

फीचर्स की बात करें तो इसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, इल्यूमिनेटेड स्विचगियर और इंजन किल स्विच मिलता है, हालांकि टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन की सुविधा नहीं दी गई है। इंजन के तौर पर 124.38सीसी का ट्विन-स्पार्क, एयर-कूल्ड इंजन मिलता है, जो 11.8 पीएस की पावर और 10.8 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। भारतीय बाजार में यह बाइक होंडा एसपी125 और हीरो ग्लैमर एक्स को कड़ी टक्कर देगी। मैकेनिकल तौर पर बाइक में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क, ट्विन रियर शॉक एब्जॉर्बर, 17-इंच अलॉय व्हील, फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक दिए गए हैं।

सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला, चांदी में तेजी बरकरार

सोने के भाव 1,52,500 प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,351 बढ़कर 3,19,800 के पार

नई दिल्ली

लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद गुरुवार को सोने के भाव में नरमी देखने को मिली, जबकि चांदी की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। हालांकि दोनों कीमती धातुएं अपने-अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे कारोबार कर रही हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की चाल अलग-अलग रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव करीब 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव लगभग 3,20,000 रुपये प्रति किलो के पास बने हुए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1,305 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,557 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,862 रुपये था। कारोबार के दौरान यह कॉन्ट्रैक्ट 1,52,499 रुपये तक फिसल गया। दिन के दौरान सोने ने 1,53,784 रुपये का उच्च और 1,50,140 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने ने 1,58,475 रुपये का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया है। वहीं चांदी के मार्च कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 1,351 रुपये की बढ़त के साथ 3,19,843 रुपये पर खुला। फिलहाल यह 1,463 रुपये की तेजी के साथ 3,19,955 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। चांदी ने दिन के दौरान 3,25,602 रुपये का उच्च और 3,16,500 रुपये का निचला स्तर छुआ। इसी सप्ताह चांदी ने 3,35,521 रुपये प्रति किलो का रिकॉर्ड स्तर बनाया था। कॉमेक्स पर सोने की शुरुआत सुस्त रही। सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 41.60 डॉलर की गिरावट के साथ 4,795.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस साल सोने ने 4,891.10 डॉलर का उच्च स्तर छुआ है। वहीं चांदी कॉमेक्स पर 0.55 डॉलर की तेजी के साथ 93.19 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी और इस साल इसका उच्च स्तर 95.74 डॉलर रहा है।

ट्रंप के दावोस बयान से वैश्विक बाजार में हलचल की संभावना

नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलॉजी समझौते संभव

नई दिल्ली

दावोस में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और रूस को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अदभुत नेता बताया और अप्रैल में चीन दौरे की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने प्रस्तावित बोर्ड आफ पीस मिशन में शामिल होने का न्योता दिया।

पिछले सालों में अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर और टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया था। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलॉजी समझौते संभव हैं। इससे एशियाई शेयर बाजारों में उछाल, अमेरिकी डॉलर में थोड़ी कमजोरी और टेक कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है।

ट्रंप के पुतिन को बोर्ड ऑफ पीस में आमंत्रित करने के कदम से रूस-अमेरिका संबंध और यूक्रेन युद्ध पर नई संभावनाएं खुल सकती हैं। अगर बातचीत सफल रही, तो ग्लोबल सप्लाई चेन मजबूत होगी। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए यह सकारात्मक संकेत हैं। विदेशी निवेशकों का पैसा बढ़ सकता है, शेयर बाजार में तेजी, रुपया मजबूत और आयात सस्ता होने से महंगाई पर नियंत्रण संभव है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें गिर सकती हैं जिससे पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे। ट्रंप के बयान से जियो-पॉलिटिकल तनाव कम होने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी।

यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरे शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है।

सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

सिंधू और लक्ष्य इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन गुनावन को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-10 21-11 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में डेनमार्क की अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंदी लाइन होजमार्क कजेरफेल्ड पर 21-19 21-18 से जीत दर्ज की। यह मैच 43 मिनट तक चला। डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ अब तक हुए छह मुकाबलों में सिंधू की यह पांचवीं जीत थी।

सिंधू का अगला मुकाबला टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से होगा। सिंधू और फेई अब तक 13 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। कुल रिकॉर्ड में फेई का पलड़ा 7-6 से थोड़ा भारी है। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में फेई को हराया था और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगी।

टी20 विश्व कप से बॉयकॉट के बाद बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल का बयान आया सामने

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने टी20 विश्व कप 2026 का बॉयकॉट करते हुए साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच नहीं खेलेंगे। बंगलादेश ने यह भी कहा है कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहता है और उसके मैच श्रीलंका में कराए हैं। इसी बीच बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया।

कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं। आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।'

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप क्रिकेट का बहिष्कार किया

सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते : बीसीबी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की घोषणा की है। बांग्लादेश सरकार के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी20 विश्व कप से हट गयी है। है। बांग्लादेश ने ये फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच स्थल भारत से बाहर रखे जाने की उसकी मांग खरिज करने के बाद लिया है। बीसीबी ने कहा है कि वर्तमान हालातों में वह अपनी टीम को सुरक्षा कारणों से भारत नहीं भेज सकता। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार के बीच हुई अहम बैठक के बाद विश्वकप से हटने का फैसला किया गया है। इससे पहले आईसीसी ने कहा था कि या तो बांग्लादेश खेलने के लिए तैयार हो या बाहर जाये।

इसके बाद एक बैठक में बीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकारों की बैठक हुई। इसमें आइसीसी के फैसले पर बात हुई। इसके बाद बीसीबी की ओर से कहा गया कि बांग्लादेश भारत में नहीं खेलने के अपने रुख पर बना हुआ है। साथ ही कहा कि मौजूदा हालातों में टीम भारत नहीं जाएगी, चाहे विश्कप से बाहर ही होना पड़े। बैठक के बाद खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ क्रिकेट कार्यक्रम या टूर्नामेंट प्रतिबद्धताओं तक सीमित नहीं है। साथ ही कहा कि , खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे ऊपर औ। इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। नजरुल ने यह भी साफ किया कि बांग्लादेश दबाव में झुकने वाला नहीं है।

वहीं इससे पहले गत दिवस आईसीसी ने बीसीबी की आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरा दी है। साथ ही कहा था कि टी20 विश्वकप का कार्यक्रम तय हो गया है और इसमें अंतिम समय पर बदलाव नहीं किया जा सकता है। वहीं बीसीबी ने कहा कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर आईसीसी ने ध्यान नहीं दिया। । इसी वजह से बोर्ड ने अपना रुख बदलने से इनकार कर दिया है। बीसीबी ने कहा था कि उसके मैच श्रीलंका में रख दिये जायें।

बीसीबी अधिकारियों का कहना है कि यह मांग किसी राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक शांति को ध्यान में रखकर की गई है। वहीं आईसीसी इससे सहमत नहीं दिखी।

बीसीबी ने कहा कि टीम के कई सदस्यों ने भारत जाने को लेकर असहजता जताई है। बोर्ड ने माना कि टूर्नामेंट से बाहर होने से उसे आर्थिक नुकसान होगा पर इसके लिए सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने मास्ट्रेली को हराकर तीसरे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न - सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को इटली के फ्रांसेस्को मास्ट्रेली को सीधे सेटों में हराकर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में सर्बियाई चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच को एकल में 6-3, 6-2, 6-2 से जीत हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर कोर्ट पर अपना दबदबा बनाया। मास्ट्रेली ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, कई ब्रेक पॉइंट बचाए और शक्तिशाली सर्व और तीन ऐस लगाकर जोकोविच को सेट के लिए सर्व करने पर मजबूर किया। दूसरे सेट में भी पैटर्न वैसा ही रहा, जोकोविच ने 3-2 के बाद बढ़त बनाई और 6-2 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में जोकोविच ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, एक तनावपूर्ण पांचवें गेम में सर्व ब्रेक करके 4-1 से आगे हो गए। मास्ट्रेली ने देर से वापसी की कोशिश किया, लेकिन जोकोविच की सटीकता और निरंतरता निर्णायक साबित हुई, क्योंकि उन्होंने इतालवी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर जीत पूरी की। जोकोविच ने एक अनजान विरोधी के बारे में कहा, 'आजकल मेरे साथ ऐसा अक्सर होता है। फिर भी, सम्मान हमेशा रहता है और मैं किसी को कम नहीं आंकता। उसके पास एक बड़ी सर्व है और बड़े स्टेज पर उसके पास अभी भी अनुभव की कमी है, लेकिन उसके पास गेम है जिससे वह बहुत आगे जा सकता है और रैंकिंग में ऊपर जा सकता है, इसलिए मैं उसे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।' जोकोविच तीसरे राउंड में नीदरलैंड के बोटिक वैन डी जैंड्सचल्प से भिड़ेंगे।

टी20 विश्वकप पर हैं नजरें : हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने सीरीज जीती। हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज के प्रदर्शन से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही। हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद, जमकर कर रहे अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है।

शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

शमी के जज्बे से लगता है कि उन्होंने अभी वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अपनी फिटनेस को भी बनाये रखने पर ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल जब अगरकर ने शमी की फिटेनस पर टिप्पणी की थी तो उन्होंने कहा था कि अगर वह 50 ओवर के मैच में 10 ओवर डाल रहे हैं तो टेस्ट में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन अब उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा नहीं मानना है, इसी लिए चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं। नये तेज गेंदबाजों के आने से भी शमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम प्रबंधन अब 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम बना रहा है और अधिक उम्र के कारण इसके लिए शमी फिट नहीं हैं।

चैंपियंस लीग : केन के दो गोल से बायर्न म्यूनिख ने मेंरॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस को हराया

बर्लिन । आखिरी 30 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बायर्न म्यूनिख ने हैरी केन ने दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत रॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस पर 2-0 से जीत हासिल दर्ज की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और दूसरे ही मिनट में बढ़त बनाने के करीब पहुंच गया जब लुइस डियाज एरिया में घुसे और केन को पास दिया, लेकिन यूनियन के गोलकीपर केजेल शेर्पेन ने शानदार बचाव किया। दोनों टीमें कई प्रयासों के बावजूद पहले हाफ में गोल करने में विफल रहीं। ब्रेक के बाद बायर्न के लिए केन ने 52वें मिनट में हेडर से गोल किया और तीन मिनट बाद उसने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। बायर्न का कंट्रोल तब मुश्किल में पड़ गया जब 63वें मिनट में किम मिन-जे को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर बाहर भेज दिया गया। यूनियन ने आगे बढ़ने का प्रयास करते हुए मौके बनाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बायर्न ने जवाबी हमला किया। केन लगभग हैट्रिक पूरी करने ही वाला था, लेकिन उसने देर से मिली पेनल्टी को क्रॉसबार पर मार दिया। इस जीत से बायर्न चैंपियंस लीग लीग-फेज टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गया और टॉप-आठ में जगह पक्की कर ली, जिससे आखिरी 16 के लिए क्वालिफिकेशन पक्का हो गया।

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन : गंभीर

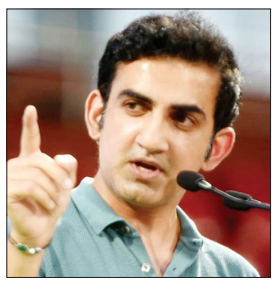

वडोदरा । भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे आधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पढ़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है। गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को शूटआउट में हराकर हासिल किया बोनस अंक

भुवनेश्वर - अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स और रांची रॉयल्स के बीच पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (।ह्वरु) में एक रोमांचक मुकाबले के निर्धारित में 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रैगन्स ने नाटकीय शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। ड्रैगन्स ने शूटआउट में जीत से बोनस अंक हासिल मिला। जबकि रॉयल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे शुक्रवार को कलिंगा लांसर्स के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर क्वालीफायर 1 मुकाबला तय हो गया। हैदराबाद तूफान ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को एचआईएल जीसी से आगे चौथे प्लेऑफ स्थान को पक्का करने के लिए कल एसजी पाइपर्स के खिलाफ मुकाबले में सात गोल के अंतर से जीतना होगा। टॉम बून ने रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया (9', 35'), पहले मिनट में मनदीप सिंह (1') के शुरुआती गोल का साथ दिया। ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स (24', 53') के दो गोल और कार्थी सेल्वम (32') के एक गोल से वापसी की। शूटआउट के दौरान, नाथन एफ्राम्स, ब्लेक गोवर्स, उत्तम सिंह और टॉम क्रेग ने ड्रैगन्स के लिए अपने मौके भुनाए।

अभिषेक शर्मा ने पहला टी20आई जीतने के बाद किया रणनीति का खुलासा

नागपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में 35 गेंदों में 84 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें अपने कुछ चुनिंदा शॉट्स पर ही पूरा भरोसा हैं। मैच के बाद अपनी रणनीति को लेकर अभिषेक ने कहा, 'जब आप विपक्षी गेंदबाजो के वीडियो खंगालते हैं या अपनी बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हैं, तो आपको अंदाजा हो जाता है कि सामने वाली टीम क्या रणनीति बनाए और मुझे अपने रन कहां बनाने हैं। सच कहूं तो मैं अपने गिने-चुने शॉट्स पर ही यकीन करता हूं क्योंकि मेरे पास वैरायटी बहुत अधिक नहीं है। बस कुछ खास स्ट्रोक्स हैं जिनकी मैं जी-तोड़ अभ्यास करता हूं और मैदान पर उन्हें ही आजमाता हूं।'

उन्होंने अपनी तकनीक को लेकर कहा, 'मैं अधिकतर पावर हिटिंग का प्रयास नहीं करता क्योंकि मुझमें वैसी शारीरिक ताकत नहीं है। मेरी बल्लेबाजी मुख्य रूप से टाइमिंग के भरोसे चलती है। मेरे लिए सबसे अहम यह है कि मैं गेंद की लाइन पर नजर रखूं और माहौल को समझूं। चूंकि हम फिलहाल पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर खेल रहे हैं, तो परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना बेहद आवश्यक हो जाता है। इसके लिए मैं मैच से पूर्व या नेट अभ्यास के दौरान ही अपनी रणनीति तैयार कर लेता हूं। विपक्षी गेंदबाजी की अपनी योजना होती है, इसलिए मेरे जेहन में हमेशा यह रहता है कि मैं अपने खेल और अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा रखूं।'

सलामी बल्लेबाज ने अपनी शैली पर कहा, 'मैं इसे जोखिम भरा खेल नहीं मानता। हालांकि इसे 'कम्फर्ट जोन' कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना होता है। शुरुआती 6 ओवरों का लाभ उठाना बेहद अहम है और मैं नेट्स पर भी इसी की तैयारी करता हूं। मेरे जेहन में यह बात स्पष्ट रहती है कि विपक्षी टीम के मुख्य गेंदबाज ही पारी के शुरुआती ओवर फेंकते हैं। अगर मैं पहले तीन-चार ओवरों में उन पर हावी हो जाऊं, तो मैच पर हमारी पकड़ मजबूत हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने एक चीज सीखी है कि यदि आप हर गेंद पर प्रहार करना चाहते हैं या 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं, तो वैसी ही मानसिकता और कड़ा अभ्यास जरूरी है। हर टीम मेरे लिए अलग रणनीति तैयार है। अब मुझे समझ आता है कि यह केवल क्षेत्ररक्षण सेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पिच और गेंदबाजी के तरीके पर भी निर्भर करता है। इसलिए मैच से पहले की गई मेरी तैयारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले मेरे पास

एक सप्ताह का समय था। मैं जानता था कि न्यूजीलैंड के गेंदबाज मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे अपनी नैचुरल गेम और अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हम क्रूरता के बजाय कानून का शासन पसंद करते हैं :इमैनुएल मैक्रों

पेरिस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ पश्चिमी देशों के नेताओं ने अब खुलकर बोलना शुरू कर दिया है। जर्मनी से लेकर कनाडा से लेकर यूके और अब फ्रांस तक ने अमेरिकी धौंस के खिलाफ हमला बोला है। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ डोनाल्ड ट्रंप का वीडियो विवाद सड़क पर आ गया है जहां ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का निजी संदेश सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। ट्रंप ने फ्रांस पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात भी कही है। इस पर मैक्रों बुरी तरह भड़क उठे हैं। बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस और यूरोप के संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति यूरोप की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए मैक्रों ने मंगलवार को दावोस में वैश्विक स्तर पर 'जबरदस्ती' की कड़ी आलोचना की। मैक्रों ने कहा, 'फ्रांस और यूरोप संप्रभुता और स्वतंत्रता, संयुक्त राष्ट्र और उसके चार्टर से जुड़े हुए हैं। लेकिन दुनिया एक अव्यवस्थित प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जहां कमजोर सामूहिक शासन और अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। फ्रांसीसी नेता ने आगे अमेरिका के व्यापार हथकंडों की आलोचना करते हुए इसे आक्रामक बताया। उन्होंने वाशिंगटन पर ऐसे समझौतों के पीछे भागने का आरोप लगाया जो यूरोपीय निर्यात को कमजोर करते हैं। उन्होंने राजनीतिक दबाव के लिए टैरिफ के बढ़ते उपयोग की भी निंदा की और इसे मौलिक रूप से अस्वीकार्य कहा। मैक्रों ने कहा, 'हमें अधिक विकास और अधिक स्थिरता की आवश्यकता है। लेकिन हम धमकियों के बजाय सम्मान पसंद करते हैं। और हम क्रूरता के बजाय कानून का शासन पसंद करते हैं।' इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है।

अमेरिका ने वेनेजुएला से तेल ले जा रहा 7वां टैंकर पकड़ा, हांगकांग की कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड था

काराकास, एजेंसी। अमेरिकाने वेनेजुएला से तेल ले जा रहे एक और प्रतिबंधित ऑयल टैंकर पर कब्जा कर लिया है। यह ट्रम्प प्रशासन के दौरान पकड़ा गया सातवां टैंकर है। अमेरिकी साउदर्न कमांड के मुताबिक, मोटर वेसल सगीट्टा को बिना किसी नुकसान के अपने नियंत्रण में लिया गया। कमांड ने कहा कि यह जहाज राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित कैरेबियन क्षेत्र की 'क्वारंटीन' का उल्लंघन कर रहा था। सगीट्टा लाइबेरिया-ध्वज वाला टैंकर है, जो हांगकांग की एक कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने इसे रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के तहत प्रतिबंधित किया था। यह कार्रवाई 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाए जाने के बाद तेज हुई अमेरिकी मुहिम का हिस्सा बताई जा रही है। जानकारी एसोसिएटेड प्रेस ने दी है।

शिंजो आबे को गोली मारने वाले अपराधी को आजीवन कारावास, जापान की अदालत ने सुनाई सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान की अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या करने वाले शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शिंजो आबे की हत्या करने की बात इस शख्स ने कबूल की थी। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और एक विवादास्पद दक्षिण कोरियाई चर्च के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ संबंधों को उजागर किया है। जापान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में शामिल शिंजो आबे प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में कार्यरत थे। इसी दौरान 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई। इस घटना ने सख्त बंदूक नियंत्रण वाले देश को स्तब्ध कर दिया। 45 वर्षीय तेत्सुया यामागामी ने अक्टूबर में शुरू हुए मुकदमे में हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया था। अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा का एलान किया। शूटर ने कहा कि वह एक विवादास्पद चर्च के प्रति नफरत से प्रेरित था। यामागामी ने कहा कि उसने आबे की हत्या तब की जब उसने पूर्व नेता की ओर से यूनिफिकेशन चर्च से जुड़े एक समूह को भेजा गया एक वीडियो संदेश देखा। उसने आगे कहा कि उसका उद्देश्य उस चर्च को नुकसान पहुंचाना था, जिससे वह नफरत करता था और आबे के साथ उसके संबंधों को उजागर करना था। अभियोजकों ने यामागामी के लिए आजीवन कारावास की मांग की थी। वहीं, उनके वकीलों ने चर्च के अनुयायी के बच्चे के रूप में उनकी परेशानियों का हवाला देते हुए 20 साल से अधिक की सजा न देने की मांग की थी। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और चर्च के बीच घनिष्ठ संबंधों के खुलासे के बाद पार्टी ने चर्च से दूरी बना ली।

चौथी बार मां बनने वाली हैं ऊषा वेंस, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर गूंजेगी किलकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी ऊषा वेंस जल्द ही माता पिता बनने वाले हैं। दोनों ने एक साझा बयान जारी कर यह गुड न्यूज शेयर की है और बताया है कि अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस जुलाई के आखिर में अपने चौथे बच्चे, एक लड़के को जन्म देंगीं। इस मौके पर उन्हें वाइट हाउस की तरफ से भी शुभकामाएं मिली हैं।

इससे पहले दंपति के एक संयुक्त बयान में कहा, 'हम यह खबर साझा करते हुए बहुत उत्साहित हैं कि उषा हमारे चौथे बच्चे के साथ गर्भवती हैं, जो एक लड़का है। उषा और बच्चा दोनों ठीक हैं और हम सभी जुलाई के आखिर में उसका स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं।' वहीं वाइट हाउस ने वेंस दंपति को बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इतिहास का सबसे परिवार-समर्थक प्रशासन ! बधाई हो !'

गौरतलब है कि 40 साल की उषा और 41 साल के वेंस के फिलहाल तीन बच्चे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने बीते साल अप्रैल में पत्नी ऊषा और 8 वर्षीय इवान, 5 वर्षीय विवेक और 4 साल की मिराबेल के साथ भारत का आधिकारिक दौरा किया था। वेंस दंपति 21 से 24 अप्रैल तक भारत में थे और जयपुर दौरे और आगरा में ताज महल का दीदार करने से से पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले थे। यहां

पीएम ने बच्चों को उपहार भी दिए थे।

वेंस का परिवार बढ़ने की खबर ऐसे समय आई है जब वह सालों से अमेरिकियों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए जोरदार तरीके से बढ़ावा दे रहे हैं। वेंस ने 2021 में ओहायो में अमेरिकी सीनेट के लिए चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करते हुए, घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई थी। वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर भी वह इसी मिशन पर कायम हैं और 2025 में मार्च फॉर लाइफ की एक स्पीच में उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि अमेरिका में और ज्यादा बच्चे हों।'

खुशखबरी पर क्या बोला व्हाइट हाउस : बयान में कहा गया है, 'इस रोमांचक और व्यस्त समय के दौरान हम विशेष रूप से उन सैन्य डॉक्टरों के आभारी हैं जो हमारे परिवार की बेहतरीन देखभाल करते हैं। उन कर्मचारियों के भी आभारी हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ करते हैं कि हम अपने बच्चों के साथ एक शानदार जीवन का आनंद लेते हुए देश की सेवा कर सकें।'

व्हाइट हाउस ने वेंस परिवार को बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इतिहास का सबसे परिवार-समर्थक प्रशासन ! बधाई हो !' गौरतलब है कि 40 वर्षीय उषा और 41 वर्षीय वेंस, जो येल लॉ स्कूल में पढ़ते समय मिले थे, उनके तीन बच्चे हैं। इनमें 8 वर्षीय इवान, 5 वर्षीय विवेक और 4 वर्षीय मिराबेल शामिल हैं।

बीते साल भारत दौरे पर आए थे दंपति, पीएम मोदी से की थी मुलाकात

वेंस ने पिछले साल अप्रैल में भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की थी और उनके साथ उषा और उनके तीन बच्चे भी थे। वेंस दंपति 21 से 24 अप्रैल तक भारत में थे और जयपुर और आगरा जाने से पहले उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

कौन हैं उषा वेंस?

उषा पेशे से एक वकील हैं। उन्होंने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन जी रॉबर्ट्स और तत्कालीन कोलंबिया सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के न्यायाधीश ब्रेट कवानॉघ के लिए क्लर्क के रूप में भी काम किया है। उनके पास येल विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री भी है, जहां वे गेट्स कैम्ब्रिज स्कॉलर थीं। 1970 के दशक में उनके माता-पिता कृष चिलुकुरी और लक्ष्मी चिलुकुरी भारत से अमेरिका चले गए थे। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार कृष चिलुकुरी सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग कॉलेज, एयरोस्पेस विभाग में लेक्चरर हैं। लक्ष्मी चिलुकुरी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो में आणविक जीवविज्ञान विभाग में अध्यापन प्रोफेसर हैं।

अमेरिकी वर्चस्व खत्म हो रहा, टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा: मार्क कार्नी

दावोस, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक धमाकेदार बयान दिया है। उन्होंने दावोस में कहा कि दुनिया की मौजूदा व्यवस्था संकट में है और अमेरिकी वर्चस्व खत्म हो रहा है। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से दिए अपने बयान में कनाडा के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती देते हुए ग्रीनलैंड मुद्दे पर डेनमार्क का समर्थन किया। हालांकि कनाडा के पीएम ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी टिप्पणियों में अमेरिका पर जमकर निशाना साधा।

मार्क कार्नी ने दुनिया को चेताया : मार्क कार्नी ने कहा, 'ताकतवर देश उन्हें माना जाता है, जिनके पास संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट है जैसे चीन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस। इन देशों का दुनिया पर आर्थिक और सैन्य दबदबा है। मध्य ताकत वाले देश जैसे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया और ब्राजील का भी दुनिया की राजनीति में बड़ा असर रखते हैं। कार्नी ने कहा कि दुनिया की मौजूदा व्यवस्था बदलाव के दौर से नहीं गुजर रही है, बल्कि पूरी व्यवस्था ही संकट में है। ऐसे में मध्य ताकत वाले देशों को एकजुट होना चाहिए। कार्नी ने कहा 'अगर हम बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे तो जल्द ही हमें बड़ी ताकतें खा जाएंगी।

अमेरिका-कनाडा के संबंध खराब दौर में : गौरतलब है कि अमेरिका और कनाडा के संबंध भी इन दिनों अच्छे दौर से नहीं गुजर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। साथ ही कनाडा से होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगा दिया है।

इसके चलते कनाडा, जो पारंपरिक तौर पर अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है, वहां राष्ट्रवाद का उदय और अमेरिका के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। बीते दिनों कनाडा के पीएम ने चीन का दौरा किया था, जिसे भी कनाडा द्वारा अमेरिका से दूरी और चीन से नजदीकी बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ग्रीनलैंड पर यूरोप से भिड़े ट्रंप : वैश्विक व्यवस्था की बात करें तो ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगा दिए हैं और ग्रीनलैंड के मुद्दे पर यूरोप पर भी टैरिफ लगाने की बात कही है। इसे लेकर यूरोप में नाराजगी है और यूरोपीय देशों ने अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर चेताया है। फ्रांस ने तो साफ कह दिया है कि यूरोप की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बाद ट्रंप ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के खिलाफ भी तीखी टिप्पणी की है। अब कनाडा ने भी ग्रीनलैंड पर डेनमार्क के समर्थन की बात कह दी है। यही वजह है कि नाटो के कमजोर होने की आशंका जाहिर की जा रही है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया। सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया।

सोशल मीडिया पर आसिफ मजाक बना : यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं।' एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, 'जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।'

पिज्जा हट ने ब्रांड के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया : पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने कहा, यह आउटलेट उससे जुड़ा नहीं है यह पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कंपनी के मुताबिक, पाकिस्तान में इस समय उसके कुल 16 आधिकारिक आउटलेट हैं। इनमें से 14 लाहौर और दो इस्लामाबाद में हैं।

चांद से भी आगे ले जाएगा आर्टेमिस-2, अप्रैल में लॉन्चिंग; अंतिम तैयारियों में जुटा नासा

वाशिंगटन, एजेंसी। चांद पृथ्वी से 41,541 मील दूर है लेकिन नासा के आगामी मिशन आर्टेमिस-2 के लिए यह दूरी सिर्फ एक पड़ाव भर है। यह वही मिशन है, जो अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसानों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर, चांद के चारों ओर और उससे भी आगे ले जाएगा। नासा इस ऐतिहासिक उड़ान की अंतिम तैयारियों में जुटा है। आधिकारिक तौर पर इसका लक्ष्य अप्रैल 2026 है, जबकि एजेंसी इसे फरवरी की शुरुआत में लॉन्च करने की दिशा में भी काम कर रही है। नासा की आधिकारिक ताजा जानकारी और नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार आर्टेमिस-2 के कमांडर रीड विसमैन जब ओरियन यान के सिम्युलेटर में बैठते हैं, तो उनके सामने अंतरिक्ष की असली खामोशी नहीं, बल्कि तारों से भरा एक आभासी आकाश होता है। नीली

शर्ट पर बड़े अक्षरों में लिखा है आर्टेमिस। चारों ओर कांच की डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और संकेतक लाइट्स, जो यह बताती हैं कि मिशन के दौरान हर सेकंड क्या चल रहा होगा। ओरियन कैप्सूल के कमांड मॉड्यूल में कुल पांच खिड़कियां हैं, ठीक वैसे ही, जैसे अपोलो यानों में हुआ करती हैं। इन सिम्युलेशन सत्रों में विसमैन और उनका दल उस हर परिस्थिति को समझने की कोशिश कर रहा है, जिसका सामना उन्हें असली उड़ान में करना पड़ सकता है। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। कमांडर रीड विसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन। मई 2023 में क्रू की घोषणा के बाद से यह टीम लगातार ट्रेनिंग में जुटी है। इन अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेससूट्स में काम करने का अभ्यास भी किया है, जो किसी आपात स्थिति में 144 घंटे तक उन्हें जीवित रख सकते हैं। इंजन फेल होने से लेकर कैप्सूल के भीतर शौचालय खराब होने जैसी स्थितियों तक, हर संभावित संकट पर सैकड़ों सिम्युलेशन किए जा चुके हैं। एक 30 घंटे के सिम्युलेशन के दौरान विक्टर ग्लोवर ने जानबूझकर कैप्सूल के भीतर ही सोने का फैसला किया।

कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरेगा यान : फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर के पैड 39-बी से उड़ान भरते ही एसएलएस का पहला चरण अलग होगा। ओरियन पहले पृथ्वी की दो कक्षाओं में घूमेगा, फिर मुख्य इंजन के जरिए चांद की ओर फ्री-रिटर्न पथ पर बढ़ेगा। करीब चार दिन में यान चांद तक पहुंचेगा, उसके चारों ओर फिगर-एट पथ में घूमेगा और फिर चार दिन में पृथ्वी की ओर लौटेगा।

ट्रंप की अजीबो-गरीब हरकत, मीडिया को दिखाए कामयाबी के दस्तावेज फिर खुद उसे फर्श पर पटक दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का मगंलवार को एक साल पूरा हो गया है। इस मौके पर राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सरकार के एक साल की उपलब्धियों का दस्तावेज दिखाया। हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने मीडिया को दस्तावेज दिखाने के बाद खुद ही उसे जमीन पर पटक दिया। ट्रंप ने करीब दो घंटे तक मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान समेत आठ युद्ध रुकवाने के दावे को दोहराया। ट्रंप ने फिर से नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने

पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के फैसलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी।

ट्रंप ने गिनाई ये उपलब्धियां : ट्रंप ने 20 जनवरी 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। मंगलवार को उनके कार्यकाल को एक साल पूरा हो गया। इस दौरान ट्रंप ने दावोस में आयोजित हो रहे वैश्विक आर्थिक सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने एक साल के कार्यकाल में अपनी सरकार द्वारा हासिल कथित उपलब्धियों का जिक्र किया।

इसमें राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों के अमेरिका में आने पर रोक और अमेरिका से करीब 26 लाख अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने का जिक्र किया। ट्रंप ने अमेरिका में सड़क सुरक्षा को बेहतर करने के लिए व्यवसायिक ट्रक ड्राइवरों के लिए अंग्रेजी भाषा को अनिवार्य करने एच-1बी वीजा आवेदन की फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर करने आदि कथित उपलब्धियों का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कामयाबी के दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि पहले किसी भी राष्ट्रपति ने ऐसी कामयाबी हासिल नहीं की है और इसके बाद बंडल को जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ट्रंप ने मिनेसोटा से गिरफ्तार किए गए अवैध अप्रवासियों की तस्वीरें भी दिखाई। तस्वीरें दिखाने के बाद ट्रंप ने उन्हें भी जमीन पर पटक दिया।

सहायता धनराशि में कटौती से, पश्चिम व मध्य अफ़्रीका में भूख संकट गहराने की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी जारी की है कि इस वर्ष जून से अगस्त महीने के दौरान पश्चिम और मध्य अफ़्रीका में स्थित देशों में 5.5 करोड़ लोगों के विशाल भूख संकट का सामना करने की आशंका है. भीषण हिंसक टकरावों और विस्थापन के बीच मानवीय सहायता प्रयासों के लिए धन कटौती होने से स्थिति और बिगड़ने की आशंका है. इन क्षेत्रों में जून-अगस्त की अवधि, फ़सलों की पैदावार के बीच का ऐसा समय है जब कृषि-निर्भर समुदायों के लिए पहले से जमा की गई खाद्य सामग्री ख़त्म होने लगती है, क़िल्लत और महंगाई बढ़ती है और कुपोषण गहराने लगता है.यूएन कार्यक्रम ने अफ़्रीकी क्षेत्र में एक खाद्य सुरक्षा विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष जारी किया है.इसके अनुसार, 1.3 करोड़ बच्चे इस वर्ष कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं, जबकि 30 लाख से अधिक लोग आपात स्तर पर खाद्य असुरक्षा का सामना करेंगे. वर्ष 2020 में, 15 लाख लोग आपात स्तर पर खाद्य असुरक्षा का शिकार थे, और अब यह आँकड़ा दोगुना हो गया है. नाइजीरिया, चाड, कैमरून, निजेर खाद्य असुरक्षा से सर्वाधिक प्रभावितों में बताए गए हैं. नाइजीरिया के बोर्नो प्रान्त में 15 हज़ार से अधिक लोग विनाशकारी स्तर पर भूख की चपेट में आ सकते हैं, और यदि ऐसा हुआ तो यह क़रीब एक दशक में पहली बार होगा.हिंसक टकराव, विस्थापन और आर्थिक बदहाली जैसी चुनौतियों की वजह से पश्चिम और मध्य अफ़्रीका में

स्थिति बद से बदतर हो रही है.मगर, मानवीय सहायता धनराशि में कटौती होने की वजह से स्थानीय समुदायों के लिए इस संकट का सामना कर पाना और अधिक मुश्किल हो गया है.ह्यूस्नक्षेत्रीय उप निदेशक साराह लॉन्गफ़ॉर्ड ने कहा कि 2025 में धन कटौती की वजह से पूरे क्षेत्र में भूख और कुपोषण की स्थिति गम्भीर हुई है. 'जैसे-जैसे आवश्यकताएँ, सहायता धनराशि की तुलना में बढ़ रही हैं, युवा लोगों के हताशा के गर्त में धँसने का जोखिम भी बढ़ता जा रहा है. 'खाद्य सहायता में कटौतीयूएन कार्यक्रम के अनुसार, इस क्षेत्र में अगले 6 महीनों तक मानवीय सहायता अभियान को जारी रखने के लिए 45 करोड़ डॉलर से अधिक की रक़म की जल्द से जल्द आवश्यकता है. यह उन क्षेत्रों के लिए है, जहाँ बजट घटने का असर दिखाई देने लगा है.माली में, परिवारों के लिए खाद्य रसद को घटाया गया है, जिससे वहाँ 2023 के बाद से अब तक भूख में 65 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है. वहाँ भूख प्रभावितों में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है.असुरक्षा जारी रहने की वजह से, बड़े शहरों में महत्वपूर्ण खाद्य व अन्य सहायता आपूर्ति मार्गों में भी व्यवधान आया है।

हवा में गुल हो गई बत्ती, दावोस जा रहे ट्रंप का प्लेन टेकऑफ के तुरंत बाद वापस लौटा

वाशिंगटन, एजेंसी। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने के लिए स्विट्जरलैंड जा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विमान में मंगलवार रात अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते विमान को टेकऑफ के कुछ ही देर बाद वाशिंगटन के ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पर वापस उतारना पड़ा।

वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने पुष्टि करते हुए कहा कि विमान में 'मामूली इलेक्ट्रिकल समस्या' आ गई थी जिसके चलते एहतियातन यह फैसला लिया गया। विमान में मौजूद एक रिपोर्टर के मुताबिक, उड़ान के तुरंत बाद प्रेस केबिन की लाइट कुछ देर के लिए चली गई थी, हालांकि उस समय कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई। उड़ान के लगभग आधे घंटे बाद पत्रकारों को सूचित किया गया कि विमान लौट रहा है। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दूसरे यानी बैकअप विमान- एयर फोर्स सी-32 से अपनी यात्रा जारी रखी। यह विमान आमतौर पर छोटे घरेलू हवाईअड्डों के लिए इस्तेमाल किया जाता है और बोइंग 757 का संशोधित संस्करण है। ट्रंप देर रात के बाद इस विमान से रवाना हुए और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक के लिए दावोस पहुंचे।

वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे दोनों एयर फोर्स वन विमान लगभग चार दशक पुराने हैं। इनके विकल्प के तौर पर नए विमानों पर बोइंग काम कर रहा है, लेकिन यह परियोजना लंबे समय से देरी का शिकार हो रही है। एयर फोर्स वन को अत्यधिक सुरक्षा के साथ विशेष रूप से संशोधित किया गया है- इनमें रेडिएशन से सुरक्षा, एंटी-मिसाइल तकनीक और एडवांस कम्युनिकेशन सिस्टम शामिल हैं, ताकि

राष्ट्रपति दुनिया के किसी भी कोने से सैन्य नेतृत्व से संपर्क में रह सकें और आदेश जारी कर सकें।

इसी बीच, पिछले साल कतर के शासक परिवार द्वारा ट्रंप को गिफ्ट में दिए गए एक लक्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट को एयर फोर्स वन फ्लीट में शामिल करने की घोषणा पर भी काफी बहस हुई थी। यह विमान फिलहाल सुरक्षा मानकों के अनुरूप रेट्रोफिट किया जा रहा है। मंगलवार रात एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में लेविट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस वक्त कतरी जेट कहीं बेहतर लग रहा है। यह घटना पहली नहीं है। पिछले फरवरी में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को जर्मनी ले जा रहा एक एयर फोर्स विमान तकनीकी खराबी के कारण वॉशिंगटन लौट आया था। वहीं, अक्टूबर में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को ले जा रहा एक सैन्य विमान विंडशील्ड में दरार आने के कारण यूनाइटेड किंगडम में आपातकालीन लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था।

डब्ल्यूईएफ की 56वीं वार्षिक बैठक : डब्ल्यूईएफ की 56वीं वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी 2026 के बीच दावोस में हो रही है, जिसमें 130 से ज्यादा देशों के करीब 3,000 वैश्विक नेता हिस्सा ले रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दुनिया भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता और तेज तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी से मिलने पहुंचा 9 साल से फरार हत्या का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक 9 साल के लंबे समय से फरार हत्या के आरोपी को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के रिछोहा गांव से गिरफ्तार किया है। यह मामला दिल्ली के कंझावला इलाके का है, जहां साल 2016 के अंत में नए साल की पूर्व संध्या पर विवाद ने एक जान ले ली थी। जानकारी के मुताबिक मोविन खान और मृतक मलखान दोनों ही कंझावला के लेबर चौक पर दिहाड़ी मजदूर थे। दिसंबर 2016 में दोनों के बीच 400 रुपए और मोबाइल फोन को लेकर विवाद हो गया था। नए साल की रात को मोविन मलखान से मिला। उस समय ज्यादातर साथी न्यू ईयर मना रहे थे और मलखान नशे में था। गुस्साए मोविन ने मलखान का गला रेत दिया और शव को सावदा गांव के खेत में फेंक दिया। कुछ घंटों बाद मलखान गंभीर हालत में मिला था जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। हत्या के तुरंत बाद मोविन दिल्ली से फरार हो गया। वह लगातार जगह बदलता रहा और बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में छिपता रहा। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था और पुलिस ने उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। वह अपने परिवार से भी कम ही संपर्क करता था। पिछले पांच महीनों से क्राइम ब्रांच की टीम चार राज्यों में उसकी तलाश में जुटी थी। डीसीपी (क्राइम) ने बताया कि टीम ने हार नहीं मानी और समन्वय के साथ छापेमारी की। पिछले हफ्ते पुलिस को सूचना मिली कि मोविन आगरा से अपनी पत्नी से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पास निहंगों ने मंहत की कर दी पिटाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल की हेरिटेज स्ट्रीट (विरासती मार्ग) पर निहंगों ने जबरन रुपए मांग रहे महंतों की पिटाई कर दी है। निहंगों ने डंडों से उन्हें पीटकर भगाया। निहंगों के विरोध को देखकर महंत भी वहां से दौड़ते हुए नजर आए। निहंगों के एक्शन के बाद कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बन गया लेकिन यहां आए श्रद्धालुओं और दुकानदारों के सपोर्ट की वजह से महंत निहंगों का विरोध नहीं कर पाए। निहंगों के महंतों को हेरिटेज स्ट्रीट से दौड़ाने के वीडियो सामने आए हैं। निहंगों का कहना है कि उन्हें श्रद्धालुओं की ओर से सोशल मीडिया पर लगातार शिकायत मिल रही थी कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। जिसके बाद वे मंगलवार रात वहां पहुंचे। वहां देखा कि महंत जबरन लोगों की जेब से रुपए निकालने तक के लिए जा रहे हैं। जिसके बाद निहंग एक्शन में आ गए। कुछ निहंग हेरिटेज स्ट्रीट पर जा रहे हैं। इस दौरान वह वहां घूम रहे महंतों पर नजर रख रहे हैं। इस दौरान एक महंत लोगों से रुपए मांगते हुए दिखता है। इस पर निहंग मंहत को घेर लेता हैं। इसके बाद निहंग डंडों से उसकी पिटाई करते हैं। वह महंत को कहते हैं कि कितनी बार तुम्हें कहा है, जाकर अपना काम करो। इसके बाद निहंग पीट-पीटकर मंहत को दौड़ा देते हैं। निहंग कहते हैं कि इन्होंने गंद डाल रखा है। इसके बाद महंत दौड़ते हुए नजर आता है। महंतों को दौड़ाने के बाद श्रद्धालु हाथ जोड़कर निहंगों का धन्यवाद करते हुए भी नजर आते हैं।

1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में डिप्टी कमिश्नर प्रभा से सीबीआई की पूछताछ

लखनऊ (एजेंसी)। सीबीआई ने 1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में झांसी के सीजीएसटी कार्यालय में तैनात रही डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी सहित अन्य आरोपितों से पूछताछ की। करीब आठ घंटे की पूछताछ में डिप्टी कमिश्नर खुद को निर्दोष बताया। वहीं, दो अन्य आरोपितों से भी सीबीआई अधिकारियों ने पूछताछ की, लेकिन उन्होंने मुंह नहीं खोला। डिप्टी कमिश्नर को सीबीआई की विशेष अदालत ने एक दिन के कस्टडी रिमांड पर सीबीआई को सौंपा था, जबकि दो अन्य आरोपितों का तीन दिन का रिमांड है। दरअसल जांच एजेंसी सीबीआई ने घूसखोरी के आरोप में बीती 31 दिसंबर को झांसी में छापेमारी कर डिप्टी कमिश्नर सहित जीसीएसटी के दो कर्मचारियों और एक वकील सहित दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। इनके ठिकानों से 70 लाख रुपये के अलावा संपत्तियों के दस्तावेज और ज्वैलरी बरामद हुई थी। इसके बाद सीबीआई की टीम तीनों आरोपितों को पूछताछ के लिए जेल से अपने कार्यालय आई थी। डिप्टी कमिश्नर ने सीबीआई अधिकारियों से कहा कि उन्हें घूस लेकर गिरफ्तार नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। हालांकि, सीबीआई ने जब उन्हें फोन काल का रिकार्ड दिखाया और व्हाट्सएप पर अन्य आरोपितों के साथ की गई चैट दिखाई तब वह कुछ नहीं बोल सकी। पूछताछ के बाद उन्हें शाम को जेल भेज दिया गया है, जबकि अनिल तिवारी व अजय शर्मा से कुछ देर ही पूछताछ की गई। दोनों आरोपितों से गुरुवार को भी पूछताछ की जाएगी।

जब पति-पत्नी अलग होने को तैयार, तो कोर्ट उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डाले

-राजस्थान हाईकोर्ट ने तलाक को लेकर सुनाया फैसला, फैमिली कोर्ट का आदेश किया रद्द

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत आपसी सहमति से होने वाले तलाक को लेकर फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के रवैये पर तल्खी जाहिर करते हुए कहा कि जब पति-पत्नी दोनों अलग होने के लिए तैयार हैं, तो कोर्ट को उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डालनी चाहिए। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने मेड़ता फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश में एक मुस्लिम दंपती के तलाक को मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले की शुरुआत ही पुरानी कहावत को उल्टे रूप से करते हुए लिखा- यह मामला ऐसा है जहां मियां-बीवी राजी, नहीं मान रहा काजी वाली स्थिति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला पाली निवासी आयशा चौहान और वसीम खान से जुड़ा है। दोनों का निकाह 27 फरवरी 2022 को मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के बाद विचारों में मतभेद के चलते वे साथ रहने को तैयार नहीं थे। इसके बाद पति ने शरीयत के मुताबिक तीन अलग-अलग तुहर में 8 जून, 8 जुलाई और 8 अगस्त 2024 को तीन बार तलाक बोला। इसके बाद दोनों ने 20 अगस्त 2024 को 500 रुपए के स्टाम्प पेपर पर आपसी सहमति से तलाकनामा लिखा। इसी समझौते के आधार पर उन्होंने फैमिली कोर्ट, मेड़ता में तलाक घोषित करने की अर्जी लगाई, लेकिन 3 अप्रैल 2025 को फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज करने के लिए गलत आधार चुना।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी दी गई है। गुरुवार से राजस्थान, हिमाचल और पंजाब-हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है।

यूपी के 15, राजस्थान और हरियाणा के 6-6 जिलों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी भी गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में गुरुवार बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के 5 जिलों में आज और शुक्रवार को बर्फबारी का अलर्ट है। फिलहाल यहां पारा माइनस में चल रहा है। चमौली के वाण गांव में झरना जमा हुआ दिखाई दिया।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अगले 7 दिनों में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकते हैं। इससे 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके सक्रिय होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। तापमान में गिरावट आएगी, साथ ही पाला पड़ने और कोल्डवेव के हालात बन सकते हैं।

जहां 23 जनवरी को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बदलाव रहेगा। अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहने वाले है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) चल सकती हैं। बारिश और बादलों के चलते दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जबकि सुबह-शाम ठंड बनी रहेगी।

24 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ेगा, लेकिन उत्तर भारत में मौसम अभी पूरी तरह साफ नहीं होगा। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में हल्की गरज-चमक और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। बारिश की गतिविधियों में कमी आने के बाद सर्द हवाओं के कारण सर्दी का असर बढ़ सकता है।

सिख विरोधी दंगा : सज्जन को कोर्ट ने दी राहत, भीड़ को भड़काने के आरोप से किया बरी

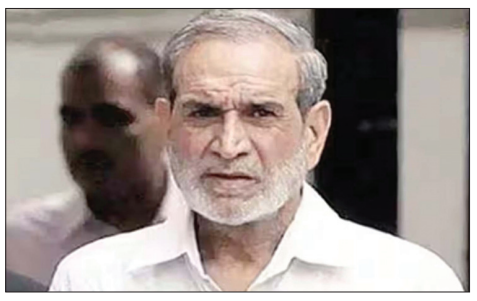

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को कोर्ट ने राहत दी है। दिल्ली की एक कोर्ट ने सज्जन कुमार को उस मामले में बरी कर दिया है जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को भड़काने का आरोप था। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने कुमार को बरी करने का संक्षिप्त रूप से मौखिक फैसला सुनाया। फैसले की कॉपी का इंतजार है। पिछले साल दिसंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 22 जनवरी के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2015 में एसआईटी ने दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में हुई हिंसा से जुड़ी शिकायतों के आधार पर सज्जन कुमार के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। एक एफआईआर जनकपुरी में हुई हिंसा से संबंधित थी, जहां एक नवंबर 1984 को सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी गुरबचन सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिनको दो नवंबर 1984 को विकासपुरी में कथित तौर पर जिंदा जला दिया गया था।

तेलंगाना में 15 बंदरों की संदिग्ध मौत, 80 गंभीर, पशु प्रेमी और लोगों में हड़कंप

-बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति के जहरीला पदार्थ खिलाने की लोग जता रहे शंका

कमारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना में कामारेड्डी जिले के बिक्कनूर मण्डल के अंतम्पल्ली गांव के पास नेशनल हाइवे पर स्थित एक ढाबे में कम से कम 15 बंदरों की संदिग्ध मौत हो गई, जबकि कई अन्य बंदर गंभीर रूप से बीमार हो गए। घटना की जानकारी लोगों ने तुरंत गांव के सरपंच और पशु चिकित्सक को दी, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर घायल बंदरों का इलाज किया और कई बंदरों की जान बचाई।

मीडिया रिपोर्ट में लोगों ने बताया कि करीब 80 बंदर बहुत नाजुक स्थिति में पाए गए, जिन्हें चलने-फिरने में भी कठिनाई हो रही थी। मृत बंदरों के शव ढाबे के आसपास पड़े थे। लोग शक व्यक्त कर रहे हैं कि बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खिला दिया है। इस घटना ने पशु प्रेमियों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। कामारेड्डी जिले के ही मचारेड्डी और बिक्कनूर मण्डलों में हाल ही में बंदरों और आवारा कुत्तों के जहर दिए जाने के आरोपों के मद्देनजर यह घटना और भी चिंता का विषय बन गई है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गांव के सरपंच ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने बंदरों के एक समूह को चैन में लाकर नेशनल हाइवे के ढाबे पर छोड़ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। स्थानीय पशु चिकित्सक ने बताया कि बचाए गए बंदरों का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति अब स्थिर है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन या पुलिस को दें।

रिपोर्ट के मुताबिक पशु कल्याण संगठनों ने भी घटना की कड़ी निंदा की है और प्रशासन से इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मित्र देश के साथ रणनीतिक साझेदारी करने का यह सबसे उपयुक्त समय: वायु सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने देश की हवाई सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि भारत के लिए अगली पीढ़ी की हवाई युद्ध प्रणालियों और हथियारों के विकास के लिए एक विश्वसनीय मित्र देश के साथ रणनीतिक साझेदारी करने का यह सबसे उपयुक्त समय है। नई दिल्ली में आयोजित नेशनल सिक्योरिटी इम्पेरेटिव्स विषय पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए उन्नत सैन्य विमान इंजन और अत्याधुनिक तकनीक के लिए वैश्विक सहयोग अब अनिवार्य हो गया है।

वायु सेना प्रमुख ने विशेष रूप से फ्रांस के साथ हालिया रक्षा सहयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि लड़ाकू विमानों के इंजन विकास को लेकर जो निर्णय लिए गए हैं, वे इस दिशा में एक मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। उन्होंने वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल की ओर इशारा करते हुए चेतावनी दी कि किसी भी देश के लिए एक मजबूत सैन्य शक्ति, विशेषकर वायु शक्ति को बढ़ाना अब विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन गया है। उनके अनुसार, भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक इच्छाशक्ति और मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है, लेकिन तकनीकी स्तर पर कुछ ऐसी बाधाएं हैं जिन्हें पार करने के लिए बाहरी सहयोग की आवश्यकता है। एयर चीफ मार्शल ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि भारत अपने दम पर तकनीक विकसित करने में सक्षम है, लेकिन वर्तमान क्षेत्रीय सुरक्षा परिस्थितियों और पड़ोसी देशों की गतिविधियों को देखते हुए हमारे पास अधिक समय नहीं है।

उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के प्रयासों के साथ-साथ मेक इन इंडिया के तहत त्वरित निर्णय लेने होंगे ताकि निकट भविष्य में आवश्यक हथियार और प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो सकें। वायु सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय वायु सेना के बेड़े में लड़ाकू विमानों की संख्या घटकर 29 स्क्वाड्रन रह गई है, जो पिछले छह दशकों में सबसे कम स्तर पर है। देश की सुरक्षा के लिए कम से कम 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता बताई जाती है।

वायु सेना की युद्धक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में हाल ही में एक बड़ी राहत की खबर भी सामने आई है। रक्षा खरीद बोर्ड ने फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को अपनी शुरुआती सहमति दे दी है। यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया ढांचे के तहत पूरी की जाएगी, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी एक भारतीय साझेदार के साथ मिलकर जेट विमानों का निर्माण करेगी। इस प्रस्ताव को अब रक्षा खरीद परिषद और सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। वायु सेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 180 तेजस मार्क-1ए विमानों का ऑर्डर दिया गया है, लेकिन आपूर्ति में होने वाली देरी के कारण वायु सेना को अन्य विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तकनीकी कमियों को समय के साथ दूर कर लिया जाएगा, लेकिन सशस्त्र बलों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत है। अगली पीढ़ी की तकनीक के साथ तालमेल बिठाना ही भारत को हवाई युद्ध के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बनाएगा।

आप दिल्ली ब्लास्ट में शामिल हैं, सुनते ही घबरा गए रिटायर्ड अधिकारी

-साइबर ठगों ने धमकाकर 16.50 लाख रुपए अलग-अलग बैंकों में करा लिए ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगी के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं जिसमें लोगों से लाखों की ठगी की जा रही है। अब एक ऐसा ही मामला बृहन्मुंबई नगर निगम से रिटायर्ड अधिकारी से लाखों रुपए की ठगी का है। दरअसल, साइबर ठगों ने इस बार दिल्ली ब्लास्ट के नाम पर 16.50 लाख रुपए उड़ा लिए।

मीडिया रिपोर्ट के मताबिक साइबर अपराधी ने खुद को एटीएस और एनआईए का अधिकारी बताया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले 75 साल के बीएमसी से रिटायर शख्स को कॉल किया। विक्टिम को बताया कि दिल्ली ब्लास्ट आरोपियों में उनका नाम भी शामिल है, जो हाल ही में हुआ है। मुंबई के अंधेरी में रहने वाले शख्स ने पुलिस स्टेशन जाकर इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विक्टिम को 11 दिसंबर को अनजान नंबर से कॉल रिसीव हुई थी। कॉल करने वाले ने बताया है कि वह दिल्ली एटीएस से है। इसके बाद कॉलर ने विक्टिम को धमकाना शुरू किया।

इसके बाद विक्टिम को बताया है कि उनको जांच में सहयोग करना होगा, जो सीक्रटली तरीके से होगी। इसके बाद साइबर ठगी का केस आगे बढ़ा। विक्टिम को बताया कि उनको एक मोबाइल ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करने को कहा। जहां विक्टिम को एक वीडियो कॉल रिसीव हुई। वीडियो कॉल में एक शख्स सामने था, जिसने खुद को एनआईए ऑफिसर बताया। कॉलर ने विक्टिम को बताया कि एक बैंक अकाउंट का लिंक उनके मोबाइल नंबर है। उस बैंक अकाउंट में मनी लाउंड्रिंग के जरिए 7 करोड़ रिसीव हुए हैं। इसमें आरोपी को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई, जिसके बाद विक्टिम घबरा गए।

साइबर ठग ने विक्टिम से कहा कि यह नेशनल सिक्योरिटी का मामला है। इसमें विक्टिम से कहा कि वह किसी को भी इसके बारे में ना बताए। साइबर स्कैमर्स ने विक्टिम को बताया है कि एजेंसी जानना चाहती है कि आपके बैंक खाते में कितनी रकम है और अन्य इनवेस्टमेंट लीगल हैं या नहीं। इसके बाद विक्टिम को सभी रकम कुछ बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। ये रकम वेरिफिकेशन्स के नाम पर अन्य बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। साथ ही कहा कि निर्दोष पाए जाने पर सभी रकम वापस कर दी जाएगी।

इसके बाद विक्टिम ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 16.50 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए फिर कॉलर ने विक्टिम का नंबर ब्लॉक कर दिया। विक्टिम को समझ आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है और उन्होंने पुलिस को जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों का पता लगा रही है।

आतंकी मोहम्मद आरिफ की उपचारात्मक याचिका को सुनेगा सुप्रीम कोर्ट... लाल किला हमले के दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में हुए ऐतिहासिक लाल किला हमले के दोषी और मौत की सजा पाए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ ??अशफाक की उपचारात्मक याचिका को सुनने का फैसला किया है। गुरुवार को अदालत ने मामले में नोटिस जारी करते हुए आरिफ के पास उपलब्ध अंतिम कानूनी विकल्प पर विचार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। न्यायालय ने मामले में सजा के खिलाफ आरिफ की पुनर्विचार याचिका तीन नवंबर 2022 को खारिज की थी। ??अशफाक को अक्टूबर 2005 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और दिल्ली उच्च न्यायालय ने सितंबर 2007 में निचली अदालत के फैसले को कायम रखा था।

इसके बाद आरिफ ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2011 में आरिफ को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की विशेष पीठ ने वकीलों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर गौर किया, जिसमें शीर्ष अदालत के उन फैसलों का हवाला दिया गया था, जिसमें अपील और पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए मृत्युदंड को बरकरार रखा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, '' नोटिस जारी करें।'' उपचारात्मक याचिका वादी के पास फैसले को चुनौती देने के लिए मौजूद अंतिम कानूनी उपाय है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं दो बार अपील और समीक्षा याचिका को खारिज करके बरकरार रखा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 22 दिसंबर 2000 की रात को कुछ घुसपैठिए लाल किले के अंदर उस क्षेत्र में घुस गए जहां भारतीय सेना की 7 राजपूताना राइफल्स की यूनिट तैनात थी और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे।

यूरोप ने कहा- बगैर भारत के हमारा काम नहीं चलेगा, गणतंत्र दिवस पर होगी सुरक्षा पर बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व की बदलती राजनीतिक बिसात पर भारत इस समय एक ऐसी सुदृढ़ स्थिति में खड़ा है, जहां दुनिया की महाशक्तियां उसके साथ साझेदारी के लिए लालायित हैं। एक ओर जहां अमेरिका द्विपक्षीय व्यापारिक समझौतों के लिए उत्सुक दिख रहा है, वहीं दूसरी ओर यूरोप ने खुले तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत के बिना उसकी वैश्विक रणनीति अधूरी है। इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह इसी बदलते वैश्विक समीकरण का गवाह बनने जा रहा है, क्योंकि यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेता इस बार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। यह दौरा केवल औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने साथ कई ऐसे बड़े रक्षा और आर्थिक समझौते लेकर आ रहा है जो आने वाले दशकों में भारत और यूरोप के संबंधों की नई दिशा तय करेंगे।

यूरोपीय मेहमानों का भारत आगमन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी देशों के लिए भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक अनिवार्य रणनीतिक मजबूरी बन चुका है। भारत के बिना हम अधूरे हैं जैसे शब्द आज के दौर में यूरोप की उसी सोच को दर्शाते हैं, जो वैश्विक युद्ध, अस्थिरता और आर्थिक दबावों के बीच एक भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है। दिल्ली में होने वाला यह यूरोपीय संघ-भारत शिखर सम्मेलन वैश्विक शक्ति के संतुलन में आए बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक है। इस सम्मेलन का प्रभाव केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी गूंज बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक महसूस की जाएगी।

इस ऐतिहासिक समझौते के तहत डिफेंस, काउंटर टेररिज्म और साइबर सिक्योरिटी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ एक मंच पर आने जा रहे हैं। इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामक समुद्री नीति पर लगाम लगाने की एक साझा रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। समुद्री सुरक्षा और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस पर सहयोग बढ़ने से हिंद महासागर में खुले व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जो सीधे तौर पर नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यूरोप की आर्थिक मजबूती और रणनीतिक स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अनिवार्य है। पाकिस्तान के लिए यह साझेदारी एक बड़े कूटनीतिक झटके के समान है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और यूरोपीय संघ का एक सुर में बोलना पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को कमजोर करेगा और आतंकी नेटवर्कों पर वैश्विक दबाव को बढ़ाएगा। वहीं, चीन के लिए भारत और यूरोप की यह नजदीकी इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर, बल्कि टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और साइबर स्पेस में भी चीन के एकाधिकार को चुनौती देने वाली है। सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक बड़ा गेम-चेंजिंग प्लान तैयार है। लंबे समय से प्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर बातचीत ने अब रफ्तार पकड़ ली है। क्लीन टेक्नोलॉजी, फार्मा और

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में सहयोग से भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में बड़ी पहचान मिलेगी। इसके साथ ही, प्रस्तावित मोबिलिटी फ्रेमवर्क से भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए यूरोप में शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस के अवसर पर होने वाला यह पावर शिफ्ट दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि भारत अब वैश्विक सुरक्षा ढांचे का एक मुख्य स्तंभ बन चुका है।